Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 187
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार,05 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

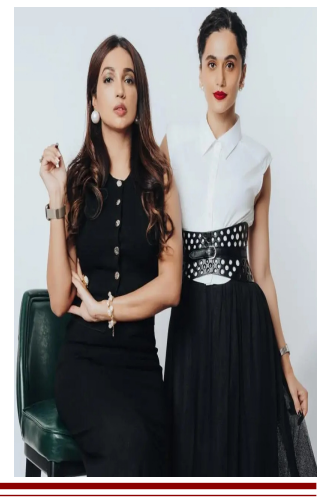

2 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट के 260 रेक बनाने की

4 दाहिने हाथ में खुजली होने का क्या होता है

7 स्ट्रॉन्ग वुमन, स्ट्रॉन्ग स्टोरी, गांधारी में तापसी

सीएम योगी बोले-

सीता मइया के दिव्य चरित्र का ज्ञान करायेगी 'वैदेही आर्ट गैलरी'

- ये समय की आवश्यकता
- कुमाऊं व गढ़वाल में बनेंगे दो भव्य स्पिरिचुअल जोन : सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में माता सीता के जीवन पर आधारित वैदेही आर्ट गैलरी स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। यह गैलरी आधुनिक तकनीक के माध्यम से सीता मइया के त्याग, मयार्दा और शक्ति को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगी। इसमें मिथिला की संस्कृति को विशेष स्थान मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्या धाम में माता सीता के जीवन-चरित्र पर केंद्रित 'वैदेही आर्ट गैलरी' की स्थापना के निर्देश दिए हैं। बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बैठक में उन्होंने कहा कि सीता मइया भारतीय संस्कृति, मयार्दा और नैतिक आदर्शों की अनुपम प्रेरणा हैं, और नई पीढ़ी को उनके उज्ज्वल चरित्र से गहराई से परिचित कराना समय की आवश्यकता है।

आर्ट गैलरी की परिकल्पना साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्याधुनिक गैलरी केवल एक कला-संग्रहालय न होकर, सीता माता के जीवन, त्याग, करुणा, मयार्दा, धैर्य और शक्ति का आधुनिक तकनीक के माध्यम से पुनर्पाठ प्रस्तुत करने वाली एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव-स्थली होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि इस गैलरी की कथा-वस्तु, डिजाइन, विजुअल भाषा, कला और तकनीक सहित सभी आयाम इस भावना को प्रकट करे कि हम एक दिव्य विरासत का पुनर्पाठ कर रहे हैं, जिसे नई पीढ़ी के सामने प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित किया जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदेही आर्ट गैलरी की मूल भावना यही हो कि आगंतुक सीता माता के जीवन-संदेश को केवल देखें नहीं, बल्कि उसे अनुभव करें, समझें और आत्मसात करें। अयोध्या विकास प्राधिकरण के साथ संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निकट वशिष्ठ भवन परिसर में विकसित की जा सकती, जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस गैलरी का विकास अयोध्या के वैश्विक सांस्कृतिक नगर के रूप में उभरने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण चरण होगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि मिथिला की संस्कृति, लोकपरंपरा और कला के विविध आयामों को गैलरी में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

मणिपुर में हटाया गया राष्ट्रपति शासन

वाई खेमचंद सिंह ने सीएम पद की शपथ ली

नई दिल्ली। मणिपुर में नयी सरकार गठन से पहले बुधवार को राज्य से राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया। मणिपुर में राजग विधायक दल के नेता वाई खेमचंद सिंह बुधवार शाम को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। मणिपुर में 13 फरवरी, 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू था। साठ-सदस्यों वाली विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है, लेकिन राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह निलंबित कर दी गई थी। राष्ट्रपति की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया, संविधान के अनुच्छेद 356 के उपखंड (2) द्वारा दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, मैं, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, मणिपुर राज्य के संबंध में 13 फरवरी, 2025 को उक्त अनुच्छेद के तहत मेरे द्वारा जारी की गई उद्घोषणा को चार फरवरी, 2026 से रद्द करती हूं। पिछले साल नौ फरवरी को मेइती और कुकी समुदायों के बीच महीनों तक जारी रही जातीय हिंसा के बाद बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इस्तीफे दे दिया था, जिसके बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था।

सार संक्षेप

अतिक्रमण हटाने गई पुलिस और राजस्व कर्मियों पर पथराव, आठ लोग घायल

बलिया। बलिया जिले में अतिक्रमण रोधी अभियान के लिए पहुंची पुलिस और राजस्व विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने पथराव किया। इस घटना में पांच पुलिस कर्मियों और तीन राजस्व अधिकारियों सहित आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। घटना मंगलवार को उस समय हुई जब पुलिस और राजस्व विभाग की टीम खेजुरी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत हथौज गांव में एक तालाब के किनारे अवैध अतिक्रमणों को हटाने गई थी। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) दिनेश कुमार शुक्ला ने पत्रकारों को बताया कि यह कार्रवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर की गई थी। उन्होंने बताया कि सिकंदरपुर के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) के नेतृत्व में तहसीलदार, राजस्व अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की एक संयुक्त टीम तालाब के किनारे अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए गांव पहुंची तभी कुछ स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर दूसरों के बहकावे में आकर अचानक टीम पर पत्थर फेंके और बलवा किया।

पौराणिक अवसनेश्वर महादेव मंदिर में चोरी, 25 लाख के आभूषण और नगदी ले उड़े चोर

बाराबंकी। हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र स्थित सुप्रसिद्ध और पौराणिक अवसनेश्वर महादेव मंदिर को मंगलवार की देर रात अज्ञात चोरों ने अपना निशाना बनाया। चोरों ने मंदिर के मुख्य द्वार पर लगे लोहे के कैंची गेट (चौनल गेट) को काटकर भीतर प्रवेश किया और करीब 25 लाख रुपये मूल्य के चांदी के आभूषण व दानपात्र की नगदी लेकर फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर रात चोरों ने योजनाबद्ध तरीके से मंदिर पर धावा बोला। मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक पहुंचने के लिए चोरों ने मुख्य द्वार के लोहे के जालीदार चौनल को औजारों की मदद से तोड़ दिया। मंदिर के भीतर प्रवेश करने के बाद चोर वहां मौजूद करीब 7 से 8 किलो चांदी जिसमें चांदी का क्षण, आभूषण और अन्य कीमती वस्तुएं शामिल थीं वह बटोर ले गए। साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा दानपात्र में चढ़ाई गई धनराशि पर भी हाथ साफ कर दिया। घटना का खुलासा बुधवार सुबह तब हुआ जब मंदिर के पुजारी नित्य पूजन के लिए पहुंचे। मुख्य द्वार का चौनल टूटा देख उनके होश उड़ गए। अंदर जाने पर चांदी के आभूषण गायब मिले। पुजारी ने तत्काल मंदिर कमेटी के अध्यक्ष संजय गिरी को सूचित किया। चोरी की खबर आग की तरह फैली और देखते ही देखते मंदिर परिसर में स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हो गई।

एसआईआर मुद्दे पर सीएम ममता बनर्जी खुद हुईं पेश

रखीं अपनी दलीलें, सुप्रीम कोर्ट ने ईसी को जारी किया नोटिस

नयी दिल्ली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्चतम न्यायालय से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की जारी कवायद में बुधवार को हस्तक्षेप करने का आग्रह किया ताकि लोकतंत्र की रक्षा की जा सके और आरोप लगाया कि राज्य को निशाना बनाया जा रहा है व यहां के लोगों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उच्चतम न्यायालय ने बनर्जी की याचिका और किसी सेवारत मुख्यमंत्री द्वारा उसके समक्ष प्रस्तुत दलीलों पर गौर किया और कहा कि पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में शामिल होना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने उनकी याचिका पर निर्वाचन आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को नोटिस जारी कर नौ फरवरी तक जवाब मांगा है। बनर्जी ने आरोप लगाया, श्श्पश्चिम बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है और पूछा कि असम में यही मापदंड क्यों नहीं अपनाया जा रहा है। पीठ ने उनकी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान के साथ-साथ खुद उन्हें (बनर्जी) भी दलील पेश करने की अनुमति दी थी। बनर्जी ने कहा, श्श्वे पश्चिम बंगाल को निशाना बनाकर वहां के लोगों के अधिकारों को कुचलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें कहीं न्याय नहीं मिल रहा है। मैंने निर्वाचन आयोग को छह पत्र लिखे हैं। सुनवाई के अंतिम चरण में, बनर्जी ने बहस करने का अवसर देने के लिए पीठ के प्रति आभार व्यक्त किया और उनसे लोकतंत्र की रक्षा का आग्रह किया। मुख्यमंत्री बनर्जी ने राज्य में एसआईआर को चुनौती दी है। बनर्जी की ओर से पेश हुए दीवान ने बड़ी संख्या में अनमैप्ड मतदाताओं का हवाला दिया और कहा कि सुधारात्मक उपायों के लिए अब शायद ही समय बचा है क्योंकि यह प्रक्रिया 14 फरवरी को समाप्त होने वाली है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को तार्किक विसंगति सूची में नामों का उल्लेख करने के कारणों को अपलोड करना होगा। उन्होंने कहा कि अब तक 1.36 करोड़ लोगों को तार्किक विसंगतियों के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किये जा चुके हैं। वर्ष 2002 की मतदाता सूची से संतानों के संबंध में तार्किक विसंगतियों में माता-पिता के नाम का मेल न होना और मतदाता तथा उनके माता-पिता की आयु में 15 वर्ष से कम या 50 वर्ष से अधिक का अंतर होना शामिल है। दीवान ने कहा कि कई मामलों में, तार्किक विसंगति के लिए नोटिस जारी किए गए व्यक्तियों के नाम गलत लिखे गये थे और इसे आसानी से सुधारा जा सकता था। प्रधान न्यायाधीश ने बांग्ला में बोलचाल का जिक्र करते हुए कहा कि कभी-कभी इसकी वजह से नामों की वर्तनी गलत हो जाती है। पीठ ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन करते समय कभी-कभी प्रवासन से संबंधित मामलों पर भी विचार किया जाता है, लेकिन पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में बने रहना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन के दौरान प्रवासन से संबंधित मामले भी देखे जाते हैं लेकिन पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में होने चाहिए।

राहुल गांधी के गद्दार तंज पर बीजेपी का पलटवार

सिख नेताओं ने घेरा, कहा, राहुल गांधी ने हमेशा अपमान किया

नईदिल्ली। संसद परिसर में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच हुई तीखी नोकझोंक अब राजनीतिक तूफान बन चुकी है। राहुल गांधी ने प्रदर्शन के दौरान बिट्टू को मेरे गद्दार दोस्त कहकर संबोधित किया और मजाकिया अंदाज में हाथ मिलाने की कोशिश की, साथ ही कहा कि वे वापस कांग्रेस में लौट आएंगे। बिट्टू ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और पलटवार में राहुल को ष्देश का दुश्मन करार दिया। इस घटना के बाद बीजेपी ने अपनी सिख नेताओं की पूरी ताकत झोंक दी। पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी पर सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का गंभीर आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि गद्दार जैसे शब्द का इस्तेमाल बेहद गंभीर है, क्योंकि इसका मतलब देश के साथ विश्वासघात करने वाला होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल सिर्फ इसलिए नाराज हैं क्योंकि बिट्टू ने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की। पुरी ने कहा, एक पगड़ी पहनने वाले शख्स के पार्टी छोड़ने पर उसे गद्दार कहना अस्वीकार्य है। संसद में और बाहर चर्चा शालीनता से होनी चाहिए। उन्होंने बिट्टू के परिवार के बलिदान का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे बयान सिख समुदाय के लिए अपमानजनक हैं। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने राहुल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सिखों के प्रति नफरत रखते हैं। कभी उन्हें आतंकी बताते हैं, तो कभी देश बांटने वाला। सिरसा ने 1984 के दंगों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने सिखों के गले में टायर डालकर आग लगाने का काम किया और अखबारों में इश्तहार देकर उन्हें आतंकी बताया। उन्होंने कहा, असली गद्दार गांधी परिवार है, जो सिखों के खिलाफ जहर फैलाता रहा है।

ओम बिरला का राहुल गांधी पर पलटवार

कहा बोलने की अनुमति देना, नहीं देना नियम प्रक्रिया से निर्धारित होता है

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर इशारों-इशारों में पलटवार करते हुए कहा कि सदन में बोलने की अनुमति देना या नहीं देना नियम-पक्रिया से निर्धारित होता है। राहुल गांधी ने मंगलवार को बिरला को पत्र लिखकर उन पर सरकार के इशारे पर खुद को सदन में बोलने से रोकने का आरोप लगाते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र पर काला धब्बा है। लोकसभा की कार्यवाही बुधवार को जब एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे शुरू हुई तो बिरला ने भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते पर वक्तव्य देने के लिए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का नाम पुकारा। गोयल ने सदन में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच वक्तव्य पढ़ा। इस दौरान विपक्षी सदस्य आसन के निकट

पहुंचकर नारेबाजी कर रहे थे। गोयल के वक्तव्य देने के दौरान कुछ विपक्षी सदस्य सत्तापक्ष की अग्रिम पंक्तियों की तरफ भी पहुंच गए। बिरला ने विपक्षी सदस्यों से कहा, श्श्इस देश में अलग-अलग समय आप सरकार में रहे हैं। मेरा मत है कि इतने लंबे समय तक सरकार में रहने के बावजूद आप सदन की परंपराओं और मयार्दाओं को तोड़ रहे हैं। विरोध का तरीका और हो सकता है। लेकिन आप उस जगह (सत्तापक्ष की सीटों की तरफ) जाकर मयार्दाओं को तोड़ेंगे तो लोकतंत्र के प्रति लोगों को विश्वास कम होगा।उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा, आप चुनकर आते हैं। सदन के अंदर और बाहर विरोध का तरीका होता है। लेकिन आप इतने वरिष्ठ नेता हैं, आपने लंबे समय तक शासन किया है।

फरवरी ने तोड़े रिकॉर्ड...पहाड़ों पर बर्फबारी से दिल्ली में कोहरा

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार सुबह घना कोहरा छाया रहा जिससे दृश्यता कम हो गई और वाहनों की आवाजाही बाधित हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.2 डिग्री कम है। मौसम विभाग ने सुबह के समय और दोपहर से पहले घने कोहरे को लेकर श्येलो अलर्टश् जारी किया। येलो अलर्ट एक प्रारंभिक चेतावनी होती है, जो यह संकेत देती है कि खराब मौसम की स्थिति बन सकती है जिसकी वजह से दैनिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। केंद्रवार आंकड़ों के मुताबिक, पालम में न्यूनतम

तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड में 8.3 डिग्री, रिज में 9.2 डिग्री और आया नगर में 8.6 डिग्री सेल्सियस रहा। दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 319 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब, 301 से 400 बहुत खराब और 401 से 500 गंभीर श्रेणी में माना जाता है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में ठंड ने एक बार फिर लोगों को कंपकंपाने पर मजबूर कर दिया है। पिछले दो दिनों से मौसम लगातार बदल रहा है। मंगलवार को सुबह से ही बादल छाए रहे, जिसके बाद शाम तक हल्की बूंदाबांदी भी हुई। वहीं बुधवार को सुबह कोहरे का असर देखने को मिला, जिसके बाद ठंडी हवाओं के चलने से एक बार फिर ठंड बढ़ गई। पिछले एक हफ्ते से धूप निकलने के कारण लोगों को गर्म मौसम का अहसास होने लगा था, लेकिन अचानक मौसम में आए बदलाव और ठंडी हवाओं ने फिर से ठंड की दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अनुसार आज का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले एक सप्ताह की तुलना में तापमान में 8 से 9 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही ठंडी हवाएं करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं, जिससे ठंड का असर और बढ़ गया है।

उधमपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर, सर्च ऑपरेशन जारी

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बंसंतगढ़ इलाके में सुरक्षा बलों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, यह मुठभेड़ पुलिस, भारतीय सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान हुई। सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने जोफर रामनगर क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान (कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन) शुरू किया था। तलाशी के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकवादी मारे गए।अधिकारियों ने बताया कि इलाके में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है, ताकि किसी अन्य आतंकी के छिपे होने की संभावना को पूरी तरह खत्म किया जा सके। मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद होने की भी सूचना है।

राज्यसभा में भड़के विपक्ष के नेता खरगे

भारत-यूएस डील की जानकारी ट्रंप से मिलना संसद का अपमान

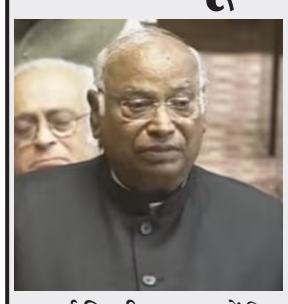

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की पृष्ठभूमि में बुधवार को सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश के किसानों के हितों के साथ समझौता किया है। उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से किसान विरोधी है और इससे भारतीय किसान तबाह हो जाएंगे। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि संसद का सत्र चल रहा है लेकिन सांसदों को इस समझौते की जानकारी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिली। खरगे ने इसे संसद का अपमान बताया। खरगे ने कहा कि समझौते के संबंध में अमेरिका के कृषि मंत्री ने कहा है कि इस समझौते से अमेरिकी किसानों को फायदा होगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की बात कर रही थी, लेकिन वह वास्तव में किसानों के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने हाल में ट्रंप द्वारा की गयी विभिन्न टिप्पणियों का हवाला देते हुए कहा कि यह भारत की संप्रभुता पर हमला है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने मोदी सरकार की विदेश नीति को विफल करार देते हुए कहा कि भारत के पड़ोसी देश नेपाल और चीन आपस में मिल रहे हैं और नेपाल विभिन्न स्थानों को अपना बता रहा है वहीं चीन भी कुछ क्षेत्रों पर अपना दावा कर रहा है। उन्होंने कहा कि 1971 के बाद पहली बार बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान करीब आ रहे हैं तथा बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार हो रहे हैं लेकिन सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। खरगे ने गुजरात के बंदरगाहों पर भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए जाने का भी मुद्दा उठाया और कहा कि गुजरात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह का गृह प्रदेश है, फिर भी वहां एक उद्योगपति के बंदरगाहों पर इतनी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए जा रहे हैं। खरगे ने सामाजिक न्याय, अर्थव्यवस्था समेत कई अन्य मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने महिला सशक्तीकरण को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि सरकार ने 6062 शब्दों को अभिभाषण तैयार किया है लेकिन कई अहम सवालों पर अभिभाषण मौन है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने सामाजिक न्याय के ताने-बाने को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि अभिभाषण में महिला सशक्तीकरण पर बात हुई, लेकिन सच यह है कि महिलाएं भाजपा के लिए केवल वोट बैंक हैं। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री वाकई महिलाओं का नेतृत्व आगे लाना चाहते हैं, तो महिला आरक्षण विधेयक पारित करते समय जनगणना के नाम पर शर्तें नहीं रखते। उन्होंने यह विधेयक लागू करने की मांग की। खरगे ने कहा कि सौ साल पहले जब महिलाओं को वोट का अधिकार भी नहीं था, तब कांग्रेस ने अपनी पार्टी की नेता सरोजनी नायडू को अध्यक्ष चुना। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने के भी साठ साल पूरे हो गए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसी महिला को अब तक अध्यक्ष नहीं बनाया है।

डिस्ट्रीब्यूटेड अकूस्टिक सेंसर का इस्तेमाल करके रेलवे ट्रैक पर हाथियों की मौत को रोकने के लिए लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और कंट्रोल रूम के लिए अलर्ट जेनरेट करने के लिए डिजाइन किया गया है

गोरखपुर,: रेल मंत्रालय ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ मिलकर रेलवे ट्रैक पर हाथियों के टकराने से रोकने के लिए कई सुरक्षा उपाय किए हैं, जो इस प्रकार हैं: उठाए गए इनोवेटिव उपायों में से एक है डिस्ट्रीब्यूटेड अकूस्टिक सेंसर का इस्तेमाल करके रेलवे ट्रैक पर हाथियों की मौजूदगी का पता लगाने के लिए ए आई-इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम डेवलप करना। सिस्टम के कंपोनेंट्स में ऑप्टिकल फाइबर, हार्डवेयर और हाथी की चाल के पहले से इंस्टॉल किए गए सिग्नेचर शामिल हैं। यह सिस्टम लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और कंट्रोल रूम को रेलवे ट्रैक के पास हाथियों की आवाजाही के बारे में अलर्ट जेनरेट करने के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि समय पर बचाव कार्रवाई की जा सके। फिलहाल, आई डी एस सिस्टम नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे में वन विभाग द्वारा पहचाने गए क्रिटिकल और संवेदनशील जगहों पर 141 रूट किलोमीटर पर काम कर रहा है। आई डी एस के काम को इंडियन रेलवे में पहचाने गए कॉरिडोर के लिए भी मंजूरी दी गई है, जिसमें पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (403.42 रूट किलोमीटर), पूर्व तटीय रेलवे (368.70 रूट किलोमीटर), दक्षिण रेलवे (55.85 रूट किलोमीटर), उत्तर रेलवे (52 रूट किलोमीटर), दक्षिण पूर्व रेलवे (55 रूट किलोमीटर), पूर्वोत्तर रेलवे (99.18 रूट किलोमीटर), पश्चिम रेलवे (115 रूट किलोमीटर) और पूर्व मध्य रेलवे (20.3 रूट किलोमीटर) शामिल हैं। अगर किसी हाथी के ट्रेन से टकराने की घटना होती है, तो जोनल रेलवे वन विभाग के साथ मिलकर मामले की जांच करता है और उसी के अनुसार तुरंत कदम उठाता है। इसमें पहचानी गई जगहों पर उचित स्पीड लिमिट लगाना और ट्रेन क्रू के साथ-साथ स्टेशन मास्टर्स को अलर्ट करना शामिल है। ट्रेन क्रू को अपडेट और जागरूक करने के लिए संबंधित वन अधिकारियों के साथ रेगुलर मीटिंग की जाती हैं। पिछले पांच सालों में, औसतन लगभग 16 घटनाएं रिपोर्ट की गई हैं। पहचानी गई जगहों पर हाथियों की आवाजाही के लिए अंडरपास और रैंप का निर्माण किया जायेगा। संवेदनशील जगहों पर ट्रैक के किनारे उचित बाड़ लगाना ताकि हाथियों को रेलवे लाइनों के पास आने से रोका जा सके। सभी पहचाने गए हाथी कॉरिडोर पर साइनबोर्ड लगाना ताकि लोको पायलटों को पहले से चेतावनी दी जा सके। रेलवे जमीन के अंदर ट्रैक के आसपास की वनस्पति और खाने-पीने की चीजों को हटाना। जंगल वाले इलाके में सोलर सिस्टम के साथ एल.ई.डी. लाइट लगाना। स्टेशन मास्टर और लोको पायलट को अलर्ट करके समय पर कार्रवाई के लिए वन विभाग द्वारा लगाए गए हाथी ट्रैकर्स को तैनात किया गया है। रेलवे ट्रैक के पास जंगली जानवरों/हाथियों की आवाजाही को रोकने के लिए, लेवल क्रॉसिंग पर इनोवेटिव हनी बी बजर डिवाइस लगाए गए हैं। इस डिवाइस से निकलने वाली आवाज हाथियों को रेलवे ट्रैक से दूर भगाने का काम करती है। रात में/कम विजिबिलिटी में सीधी पटरी पर जंगली जानवरों की मौजूदगी का पता लगाने के लिए थर्मल विजन कैमरे का भी ट्रायल किया जा रहा है, जो लोको पायलटों को जंगली जानवरों की मौजूदगी के बारे में अलर्ट करता है। यह जानकारी रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में दी।

प्रवेश फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 06 मार्च, 2026 तक निर्धारित की गयी है

गोरखपुर,: एन.ई.रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल कौआबाग, गोरखपुर में नये सत्र 2026-27 के लिए 6 वीं से 9 वीं तक प्रवेश हेतु 05 फरवरी, 2026 से फार्म का वितरण किया जायेगा। यह प्रवेश फार्म किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से अपरान्ह 02:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अंतिम तिथि 06 मार्च, 2026 तक होगी। यह विद्यालय सी.बी.एस.ई. (इंगलिश मीडियम) नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। अंग्रेजी माध्यम से संचालित इस विद्यालय में योग्य शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान की जाती है। विद्यालय में स्मार्ट-क्लास, आधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। विद्यालय में छात्र/छात्राओं के खेलने के लिए मैदान तथा आधुनिक बास्केट बॉल कोर्ट की सुविधा उपलब्ध है। इस विद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रवेश फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 06 मार्च, 2026 तक निर्धारित की गयी है।

गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा संरक्षित गाड़ी संचलन हेतु वाराणसी मंडल के पिवकोल-सलेमपुर स्टेशनों के मध्य ब्रिज संख्या 08 पर गर्डर लॉचिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक लिए जाने के कारण गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन-

-लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 04 एवं 10 फरवरी, 2026 को चलने वाली 20103 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-आजमगढ़ एक्सप्रेस आजमगढ़ के स्थान पर भटनी में यात्रा समाप्त करेगी तथा यह गाड़ी भटनी-आजमगढ़ के मध्य निरस्त रहेगी।

-आजमगढ़ से 05 एवं 11 फरवरी, 2026 को चलने वाली 20104 आजमगढ़-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस आजमगढ़ के स्थान पर भटनी से चलाई जायेगी तथा यह गाड़ी आजमगढ़-भटनी के मध्य निरस्त रहेगी।

शादी से पहले युवती पर धर्म परिवर्तन का दबाव ब्लैकमेल कर करता रहा दुष्कर्म

कानपुर। घाटमपुर में आमिर जैदी ने एक युवती को ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया और उसकी शादी तय होने पर ससुराल में अश्लील चिट्ठियां बांटकर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। पुलिस ने मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उसके फरार साथियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। कानपुर में घाटमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर मुस्लिम युवक डराकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। फिर जब युवती की शादी तय हो गई, तो उसके ससुरालियों को भड़काने व धमकाने लगा। साथ ही, युवती को बदनाम करने की धमकी देकर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। युवती ने आरोपी व उनके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया है। एक गांव निवासी लड़की ने बताया कि जब वह 16 साल की थी, तभी आरोपी आमिर जैदी पुत्र हैदर अली ने उसे प्रेमजाल में फांस लिया था। फिर कुछ वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। अब जब उसकी उसी जाति के लड़के से शादी फरवरी में है, तो अपने साथियों शनि उर्फ सनी अब्बास, रिजवी व राजा उर्फ अख्तर अंसारी के साथ मिलकर मुस्लिम धर्म स्वीकार कराने का प्रयास कर रहा है। साथियों की तलाश में जुटी हैं टीमें इसके अलावा, उसकी प्राइवेट फोटो सोशल मीडिया में अपलोड कर देने व अश्लील चिट्ठी हिंदू समाज में बटवा देने की धमकी दे रहा है। जब धमकी नहीं मानी, तो मेरी होने वाली ससुराल पक्ष के मोहल्ले में अश्लील चिट्ठी बांट दी। इसके बाद मेरे होने वाले पति को मिलने बुलाया और कहा कि तुम्हारी जान भी जा सकती है, जिससे ससुराल वाले भी डरे हुए हैं। एसीपी कृष्णकांत ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, उसके साथियों की तलाश में टीमें जुटी हुई हैं।

पकड़ी गई वित्तिय अनियमितता, नोटिस

बस्ती। जिले के कई ग्राम पंचायतों में कराए गए विकास कार्यों की आडिट के दौरान वित्तीय अनियमितता पकड़ी गई है। गड़बड़ी मिलने पर चार तत्कालीन सचिव और पांच पूर्व प्रधानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। आडिट के दौरान इनसे संबंधित ग्राम पंचायतों में 8,28,236 रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई है। गजब का हाल: नियमों का डर, न कार्रवाई की चिंता...मनमानी कर रहे पंचायत सचिव; आईपी एड्रेस से खुल गई पोल अगर अक एमबीए स्किल्स को रिप्लेस कर सकता है, तो रिक्रूटर यहां 36+ छढअ क्यों ऑफर कर रहे हैं? पीलीभीत बताया गया कि डीएम ने पूर्व प्रधानों तो डीपीआरओ घनश्याम सागर ने तत्कालिन ग्राम सचिवों को नोटिस दिया है। डीएम कृत्तिका ज्योत्सना की ओर से ब्लॉक विक्रमजोत के सिंदुरिया मिश्र के पूर्व प्रधान रंगीलाल, ब्लॉक गौर के जैतापुर की नीलम, ब्लॉक रुधौली के बरवां ग्राम पंचायत की किरन देवी, ब्लॉक रुधौली के बांसखोर कला की कैशरजहां, ब्लॉक सल्टौआ गोपालपुर के बहरामपुर के गुड्डू को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसी प्रकार जिला पंचायत राज अधिकारी घनश्याम सागर की ओर से सिंदुरिया मिश्र के तत्कालीन सचिव अनिल कुमार सिंह, बरवां के रामबहादुर चौधरी, जैतापुर के हीरा सिंह और बांसखोर कला के अनिल कुमार सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला लेखा परीक्षा अधिकारी सहकारी समितियां एवं पंचायतों की ओर से संबंधित ग्राम पंचायतों में वर्ष 2017-18 का आडिट कराया गया था। आडिट रिपोर्ट के आधार पर वित्तीय अनियमितता के लिए संबंधित तत्कालीन सचिव व पूर्व प्रधान उत्तरदायी पाए गए हैं।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट के 260 रेक बनाने की योजना: अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर,: वंदे स्लीपर जैसे नए रोलिंग स्टॉक के डेवलपमेंट प्रोसेस के लिए एक होलिस्टिक अप्रोच की जरूरत होती है, जिसमें सुरक्षित, भरोसेमंद और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन, स्ट्रेटेजिक प्लानिंग और मैन्युफैक्चरिंग को मिलाया जाता है। इसमें प्रोटोटाइप का डेवलपमेंट, बड़े पैमाने पर टेस्टिंग और ट्रायल और उसके बाद सीरीज प्रोडक्शन शामिल है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम को बी.ई.एम.एल. और इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई और टेक्नोलॉजी पार्टनर्स द्वारा प्रोटोटाइप डेवलपमेंट, ट्रायल और सीरीज प्रोडक्शन के जरिए चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। इन ट्रेनसेट को रेगुलर पैसेंजर सर्विस में मांग और ऑपरेशनल तैयारी के आधार पर चरणबद्ध तरीके से शामिल किया जाएगा। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट के कुल 260 रेक बनाने की योजना है। यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने और सुरक्षित और आरामदायक यात्रा के मामले में नए बेंचमार्क स्थापित करने के लिए, इन ट्रेन सेट में आधुनिक कोच दिए गए हैं जिनमें एडवांस्ड सुरक्षा सुविधाएँ और यात्री सुविधाएँ हैं जैसे: बिना झटके वाले सेमी परमानेंट कपलर और एंटी क्लाइंबर, कवच से लैस, 180/160 किलोमीटर/घंटा की डिजाइन/ऑपरेटिंग स्पीड के साथ ज्यादा एक्सेलरेशन, ई.एन. मानकों का पालन करने वाली कार बॉडी का क्रैशप्रूफ डिजाइन, आग सुरक्षा मानकों के पालन के लिए हर कोच के आखिर में फायर बैरियर दरवाजे, बेहतर आग सुरक्षा झ इलेक्ट्रिकल कैबिनेट और शौचालयों में एयरोसोल आधारित आग का पता लगाने और बुझाने की प्रणाली, एनर्जी एफिशिएंसी के लिए रीजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम, पैसेंजर एरिया के अंदर हाइजीन स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने के लिए, कंडीशन वाली हवा से 99% हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित यू.वी.-सी. लैंप-आधारित डिसइंफेक्शन सिस्टम के साथ एयर कंडीशनिंग यूनिट्स दी गई हैं। सेंट्रली कंट्रोल्ड ऑटोमैटिक प्लग डोर्स और पूरी तरह से सील किए गए चौड़े गैंगवे, सभी कोचों में सी.सी.टी.वी. कैमरे, इमरजेंसी की स्थिति में पैसेंजर और ट्रेन मैनेजर/लोको पायलट के बीच बातचीत के लिए इमरजेंसी टॉक-बैक यूनिट, दिव्यांग यात्रियों के लिए, हर छोर पर ड्राइविंग कोच में खास टॉयलेट, एयर कंडीशनिंग, सैलून लाइटिंग वगैरह जैसी पैसेंजर सुविधाओं की बेहतर कंडीशन मॉनिटरिंग के लिए सेंट्रलाइज्ड कोच मॉनिटरिंग सिस्टम, ऊपरी बर्थ पर चढ़ने में आसानी के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई सीढ़ी। यह जानकारी रेल, सूचना और प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में दी।

जिसके दादा व पापा पद्मश्री, उसका डेढ़ साल से नहीं बन पाया दिव्यांगता का सर्टिफिकेट

वाराणसी। वाराणसी में जिसके दादा और पापा पद्मश्री हैं, उसका डेढ़ साल से ज्यादा समय से दिव्यांग सर्टिफिकेट नहीं बना पाया। 11 जून 2024 को सीएमओ को पत्र लिखा, लेकिन विभागीय टीम जांच करने घर तक नहीं पहुंची। जिसके दादा और पिता पद्मश्री, उसका भी दिव्यांगता सर्टिफिकेट नहीं बन पा रहा है। पद्मश्री श्रीभास चंद्र सुपकार डेढ़ साल से ज्यादा समय से दौड़-भाग कर रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य महकमा कोई हल नहीं निकाल सका। व्यवस्था से नाराज श्रीभास ने कहा कि यह सिर्फ उनकी बेटी का मामला नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की तस्वीर है जहां सम्मान तो, मिल जाता है लेकिन जरूरत के वक्त इंसाफ नहीं मिल पाता। बनारसी हथकरघा और वस्त्रों को देश-दुनिया में पहचान दिलाने वाले पद्मश्री श्रीभास स्वास्थ्य महकमे के आगे बेबस हैं। उनकी बेटी 25 वर्षीय बेटी वेदमती सुपकार जन्म से दिव्यांग हैं लेकिन दिव्यांग सर्टिफिकेट नहीं बन पा रहा। वह सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है। श्रीभास के पिता जदुनाथ सुपकार भी पद्मश्री से सम्मानित थे फिर भी वेदमती को दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा। श्रीभास सुपकार ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में पंजीकरण कराया था। वहां से कहा गया कि सीएमओ को पत्र लिखना होगा। 11 जून 2024 को सीएमओ को पत्र भी लिखा और अनुरोध किया कि बेटी की गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल परीक्षण के लिए टीम को घर भेज दें ताकि दिव्यांग प्रमाणपत्र बनवाने की औपचारिकता पूरी हो सके। इसके बावजूद नतीजा शून्य रहा। कई बार अधिकारियों से संपर्क किया गया। हर बार कहा गया कि आपकी बात सीएमओ तक पहुंचा दी जाएगी। सीएमओ ही फोन करके समस्या का समाधान करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कभी फोन नहीं आया। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में वेदमति का पंजीकरण हो चुका है। दिव्यांग के रूप में मान्यता मिल चुकी है। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग दिव्यांग सर्टिफिकेट जारी करने की औपचारिकता नहीं पूरी कर रहा है। वेदमती जन्म से ही दिव्यांग है। उन्हें कॉर्पस कैलोसम की समस्या है। दस्तावेजों के मुताबिक वेदमती का जन्म 17 मई 2000 को हुआ। वह सामान्य वर्ग की हैं। बौद्धिक दिव्यांगता की श्रेणी में पंजीकृत हैं। नियम है कि गंभीर दिव्यांगता के मामलों में डॉक्टरों की टीम घर जाकर जांच कर सकती है या वीडियो कॉल के जरिये सत्यापन कर दिव्यांग सर्टिफिकेट जारी किया जा सकता है, लेकिन बेटी से जुड़ी फाइल अब तक दबाकर रखी गई है। क्या है पूरा मामला प्रकरण की जानकारी ली जाएगी। देखा जाएगा कि मामला लटका क्यों है। अगर सब कुछ ठीक मिला तो दिव्यांगता की जांच करके सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

वार्षिक कैलेंडर 2024 और 2025 के अनुसार 1,43,086 नॉन-गैजेटेड वैकेंसी के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है

गोरखपुर,: अभी, इंडियन रेलवे में सालाना कैलेंडर 2024 और 2025 के अनुसार नॉन-गैजेटेड कर्मचारियों की 143086 वैकेंसी के लिए भर्ती शुरू की गई है। जनवरी से दिसंबर 2024 के दौरान, 92,116 वैकेंसी (जिसमें सदर्न रेलवे के लिए 6927 वैकेंसी और आई सी एफ के लिए 1395 वैकेंसी शामिल हैं) के लिए दस सेंट्रलाइज्ड एम्प्लॉयमेंट नोटिफिकेशन जारी किए गए थे। ये पद असिस्टेंट लोको पायलट, टेक्नीशियन, सब-इंस्पेक्टर, रेलवे सुरक्षा बल में कांस्टेबल, जूनियर इंजीनियर /डिपो मटेरियल सुपरिटेंडेंट/केमिकल एंड मेटालर्जिकल असिस्टेंट, पैरामेडिकल कैटेगरी, नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (ग्रेजुएट), नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (अंडर-ग्रेजुएट), मिनिस्ट्रियल और आइसोलेटेड कैटेगरी और लेवल-1 कैटेगरी जैसे असिस्टेंट, ट्रैक मेंटेनर और पॉइंट्समैन के पदों को भरने के लिए थे। 59,678 पदों के लिए पहले चरण/एकल चरण के कंप्यूटर आधारित टेस्ट पूरे हो चुके हैं। विवरण इस प्रकार है:- सहायक लोको पायलट के 18,799 पद के लिए पहला स्टेज कंप्यूटर आधारित टेस्ट आयोजित किया गया, जिसमें 18,40,347 परीक्षार्थियों ने 156 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। टेक्नीशियन के 14,298 पद के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट में जिसमें 26,99,892 परीक्षार्थियों ने 139 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। जे ई/डी एम एस/सी एम एके 7,951 पद के लिए पहले स्टेज सी बी टी में 11,01,266 अभ्यर्थियों ने 146 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। आर पी एफ/एस आई के 452 पद के लिए सी बी टी में 15,35,635 अभ्यर्थियों ने 143 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। आर पी एफ - कॉन्स्टेबल के 4,208 पद के लिए सी बी टी में 45,30,288 अभ्यर्थियों ने 147 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। पैरामेडिकल कैटेगरी के लिए 1,376 पदों के लिए सी बी टी में 7,08,321 अभ्यर्थियों ने 143 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (ग्रेजुएट) के लिए 8,113 के लिए पहले स्टेज के कंप्यूटर आधारित टेस्ट में 58,41,774 अभ्यर्थियों ने 141 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (अंडर ग्रेजुएट) के लिए पहले स्टेज के सी बी टी में 3,445 पदों के लिए 63,27,473 अभ्यर्थियों ने 157 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया । मिनिस्ट्रियल और आइसोलेटेड कैटेगरी के लिए 1,036 पदों के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट में 4,46,013 अभ्यर्थियों ने 139 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। सहायक लोको पायलट, जे ई/डी एम एस/सी एम एऔर नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (ग्रेजुएट और अंडर-ग्रेजुएट) के पदों के लिए दूसरे स्टेज के कंप्यूटर आधारित टेस्ट भी पूरे हो गए हैं। डिटेल्स इस प्रकार हैं: - सहायक लोको पायलट पद के लिए दूसरा स्टेज कंप्यूटर आधारित टेस्ट (18,799 वैकेंसी) में 2,66,363 अभ्यर्थियों ने 112 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। जे ई/डी एम एस/सी एम एपद के लिए दूसरा स्टेज कंप्यूटर आधारित टेस्ट (7,951 वैकेंसी) में 1,17,339 अभ्यर्थियों ने 118 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (ग्रेजुएट) के लिए दूसरा स्टेज कंप्यूटर आधारित टेस्ट (8,113 वैकेंसी) में 1,21,931 अभ्यर्थियों ने 129 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (अंडर-ग्रेजुएट) के लिए दूसरा स्टेज कंप्यूटर आधारित टेस्ट (3445 वैकेंसी) में 51,978 अभ्यर्थियों ने 79 शहरों में 15 भाषाओं में परीक्षा दिया। सहायक लोको पायलट और नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (ग्रेजुएट) के पदों के लिए कंप्यूटर बेस्ड एप्टीट्यूड टेस्ट और नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (ग्रेजुएट-लेवल) और मिनिस्ट्रियल और आइसोलेटेड कैटेगरी के पदों के लिए कंप्यूटर बेस्ड स्किल टेस्ट भी पूरे हो गए हैं। डिटेल्स इस प्रकार हैं: सहायक लोको पायलट पद के लिए सी बी ए टी (18,799 वैकेंसी) में 1,32,044 अभ्यर्थियों ने 84 शहरों में 2 भाषाओं में परीक्षा दिया। मिनिस्ट्रियल और आइसोलेटेड कैटेगरी के लिए ट्रांसलेशन टेस्ट में 1,233 अभ्यर्थियों ने 8 शहरों में 2 भाषाओं में परीक्षा दिया।

संक्षिप्त खबरें

सख्ती के बाद भी सात पीएचसी से नहीं की जा रही रिपोर्टिंग

बस्ती। सख्ती के बाद जिले की सात पीएचसी से मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले की रिपोर्टिंग नहीं हो रही है। वहां मरीजों की संख्या शून्य दिखाई जा रही है। शासन की सख्ती के बाद भी जिम्मेदारों की कार्य प्रणाली में कोई बदलाव नहीं हो रहा है। अगर अकएमबीए स्किल्स को रिप्लेस कर सकता है, तो रिक्रूटर यहां 36+ छढअ क्यों ऑफर कर रहे हैं? प्रत्येक रविवार को पीएचसी में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर चिकित्सक व पैरा मेडिकल स्टॉफ की ड्यूटी लगाई जाती है। स्वास्थ्य मेले में आने वाले मरीजों को जांच व इलाज के साथ दवा आदि की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। शासन की ओर से सख्त निर्देश है कि शाम चार बजे तक स्वास्थ्य मेले के आयोजन के बाद इसकी ऑनलाइन रिपोर्टिंग शाम पांच बजे तक पीएचसी से ही कर देनी है। पिछले दिनों इस संबंध में महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की ओर से पत्र जारी किया गया था। पत्र में इस बात पर नाराजगी जताई गई थी कि कतिपय सीएचसी से मेले की रिपोर्टिंग नहीं की जा रही है, जबकि इसकी समीक्षा शासन स्तर पर की जा रही है। सीएमओ की ओर से उस पत्र के हवाले से सभी पीएचसी को पत्र जारी कर समय से रिपोर्टिंग करने का निर्देश दिया गया था।

लापरवाही पर चार सचिवों को नोटिस

बस्ती। जिले में स्वच्छता से समृद्धि अभियान में चयनित ग्राम पंचायतों में सफाई कार्य में ढिलाई बरती जा रही है। समीक्षा में लापरवाही दिखने पर डीपीआरओ घनश्याम सागर ने नाराजगी जताई है। समीक्षा में पाया कि चार ग्राम पंचायतों में रोस्टर के अनुसार न तो सफाई हो रही है न ही कूड़ा उठान किया जा रहा है। इस पर यहां के सचिवों को कारण बताओं नोटिस जारी किया है। अगर अकएमबीए स्किल्स को रिप्लेस कर सकता है, तो रिक्रूटर यहां 36+ छढअ क्यों ऑफर कर रहे हैं? नोटिस में कहा है कि अभियान की मानीटरिंग में इन चारों ग्राम पंचायतों की स्थिति ठीक नहीं है। लापरवाही के चलते स्वच्छ भारत मिशन अभियान की गति तेज नहीं हो पा रही है। डीपीआरओ ने बताया कि गांव स्वच्छ हो और रोजाना कूड़ा कलेक्शन हो इसके लिए मानीटरिंग की जा रही है। इसमें ग्राम पंचायत सचिव नागपुर टिकैत में तैनात ग्राम पंचायत सचिव राजमंगल दूबे की लापरवाही दिखी है। यहां रोस्टर के अनुसार सफाई नहीं हो रही है। आरआरसी क्रियाशील नहीं है। इसी प्रकार कथकपुरवा ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव तीरथ प्रसाद की भी लापरवाही दिखी है। आरआरसी क्रियाशील नहीं है। अच्छतपुर ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव पर ढिलाई का आरोप है। सफाई कार्य रोस्टर के अनुसार नहीं हो रहा है। पंचायत सचिव दृश्या सिंह को लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एक ही सड़क पर दो निधियों से करा लिया भुगतान, रिकवरी के आदेश

बस्ती। बहादुरपुर ब्लॉक के माड़न गांव में एक सड़क पर दो निधियों से भुगतान कराए जाने का मामला सामने आया है। बताया गया कि पहले जो सड़क बनी थी वह विधायक निधि से बनी थी, उसी सड़क पर कार्य दिखाकर ग्राम पंचायत ने भी भुगतान करवा लिया था। इसको लेकर शिकायत की गई थी। जांच में अनियमित्ता पाई गई, जिसपर रिकवरी का आदेश जारी किया गया है। अगर अकएमबीए स्किल्स को रिप्लेस कर सकता है, तो रिक्रूटर यहां 36+ छढअ क्यों ऑफर कर रहे हैं? माड़न गांव के लालचंद्र ने ग्राम पंचायत में विकास कार्यों में अनियमित्ता संबंधी शिकायत की थी। जिसके बाद मंडलायुक्त ने जांच टीम गठित की थी। मंडलीय जांच कमेटी ने ग्राम पंचायत में पहुंचकर जांच की थी। मगर, बताया गया कि जिस कार्य की शिकायत हुई थी, उसकी जांच न करके दूसरे की जांच कर रिपोर्ट लगा दी गई है। संयुक्त विकास आयुक्त बस्ती मंडल निर्मल कुमार द्विवेदी की ओर से 29 जनवरी 2026 को सीडीओ बस्ती को जारी जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि मंडलीय प्राविधिक परीक्षक बस्ती से कराई गई थी। दो परियोजनाओं पर कुल 55 हजार 170 रुपये वसूली किए जाने की संस्तुति की जाती है। वहीं, टीम ने जांच रिपोर्ट 22 अगस्त 2025 को ही सौंप दी थी, मगर रिकवरी आदेश जनवरी 2026 अंतिम सप्ताह में रिकवरी आदेश जारी किया गया। सीडीओ सार्थक अग्रवाल का कहना है कि जांच आख्या प्राप्त हुई है। रिकवरी संबंधी आदेश जारी कराने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

लव जिहाद के आरोपी प्रिंस के परिवार पर भी शिकंजा

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के रहने वाला कथित लव जिहाद के आरोपी अजफरूल हक उर्फ प्रिंस के परिवार पर भी शिकंजा कसता जा रहा है। कलवारी क्षेत्र की रहने वाली युवती ने धर्म छिपाकर प्रेमजाल में फंसाने और दुष्कर्म के आरोप में सदर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। युवती ने प्रिंस के भाई पर दुष्कर्म और अन्य परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस प्रिंस को इस मामले में जेल भिजवा चुकी है जबकि परिवार के अन्य लोगों पर लगे आरोपों की जांच के साथ साक्ष्य जुटा रही है। लव जिहाद मामले ने पकड़ा तूल, धार्मिक संगठनों ने कलेक्टर ऑफिस के सामने किया हंगामा लव जिहाद का यह मामला सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। पुलिस के रिकॉर्ड में प्रिंस पर 27 आपराधिक मामले दर्ज हैं। कलवारी क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती ने बीती 16 जनवरी को सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि वह शहर में एक निजी हॉस्पिटल में काम करती थी। जनवरी 2022 में हॉस्पिटल में प्रिंस नाम का युवक आया था। बातचीत में उसने मोबाइल नंबर ले लिया था। बाद में अपने ऊंचे रसूख का हवाला देते हुए बड़े हॉस्पिटल में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। पीड़िता का आरोप है कि दिसंबर 2022 में प्रिंस उसे एक हॉस्पिटल के मालिक से मिलवाने के बहाने पुरानी बस्ती क्षेत्र के एक लॉज में ले गया और तमंचा दिखाकर धमकाते हुए यौन शोषण किया।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई संत रविदास जयंती

वॉल्टरगंज। थाना क्षेत्र के सल्टोआ गोपालपुर में पंचशील सेवा समिति जिलाध्यक्ष पवन कुमार गौतम के नेतृत्व में मनाया गया प्रधान अवधेश मिश्रा ने कहा कि संत रविदास समाज के सभी वर्गों के लोगों को आगे ले जाने का कार्य किया है। अगर अकएमबीए स्किल्स को रिप्लेस कर सकता है, तो रिक्रूटर यहां 36+ छढअ क्यों ऑफर कर रहे हैं? इसी प्रकार क्षेत्र के रघुनाथपुर, डमरूआ जंगल, जिनवा , कोयलसा,लक्ष्मणपुर, बासापार, आमा, खरहरा, कंथूई, बढ़या,पंचमोहनी,सहित विभिन्न स्थानों पर रविवार को संत शिरोमणि रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भक्तों ने संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य शोभायात्रा रही, जो गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के साथ निकाली गई। इस जुलूस में भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, शोभायात्रा में मुख्य रूप से रमेश चौहान अपने सहयोगी रामपाल गौतम, वीरेंद्र गौतम के साथ सम्मिलित हुए।

मुनव्वर राना की बेटी को पति ने घर से निकाला, दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज

लखनऊ,(संवाददाता)। मशहूर शायर मुनव्वर राना की बेटी हिबा राना ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और जबरन तीन तलाक देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। हिबा की शिकायत पर लखनऊ के सआदतगंज थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दो बच्चों की मां हिबा राना ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि विवाह के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष की ओर से दहेज को लेकर दबाव बनाया जाने लगा। आरोप है कि अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर उनके साथ बार-बार मारपीट की गई और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। कई बार जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ता के अनुसार 9 अप्रैल 2025 को पति ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। इसी दौरान उनकी बहन आर्शिया राना उर्फ टीना जब ससुराल पहुंचीं, तो पति और अधिक आक्रामक हो गया। हिबा का आरोप है कि पति ने उसी समय तीन बार तलाक कहकर उन्हें घर से बाहर निकाल दिया और दोनों बच्चों को कमरे में बंद कर दिया। हिबा राना ने बताया कि उनकी शादी 19 दिसंबर 2013 को सैय्यद मोहम्मद साकिब से हुई थी।

भूमाफिया का आतंक, शासकीय से लेकर निजी भूमि पर पर कब्जे

■ जिलाधीश की जनसुनवाई में लगातार पहुंच रहीं शिकायतें

■ ग्वालियर

जिले में भू-माफिया के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि शासकीय भूमि, कृषि भूमि, निजी प्लॉट, स्कूल परिसर, स्वास्थ्य केंद्र और धार्मिक स्थलों तक पर अवैध कब्जे व प्लॉटिंग के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। स्थिति यह है कि जिला प्रशासन के दावों के बावजूद हर सप्ताह नई शिकायतें कलेक्टर कार्यालय और जिलाधीश की जनसुनवाई में पहुंच रही हैं।

ग्राम गिरवाई, तहसील सिटी सेंटर निवासी विश्वनाथ कुशवाह, वंटी कुशवाह, कन्हैयालाल कुशवाह एवं हरिसिंह कुशवाह ने शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 1574 पर अवैध कॉलोनी विकसित करने और दुकानों का निर्माण किए जाने की शिकायत की है। आवेदकों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद मौके पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। ग्राम कोटा, लश्कर निवासी अधिवक्ता दीपक मांझी ने शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 1210/2 एवं 1210 पर अवैध कॉलोनाइजिंग, फर्जी विक्रय और विरोध करने पर धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उमादेवी शर्मा विधवा ने भू-माफिया लखन लाल प्रजापति एवं अन्य के विरुद्ध निजी प्लॉट पर कब्जा कर पुनः प्लॉटिंग करने की शिकायत की है। इसके अलावा ग्राम दौनी, तहसील चितौर निवासी मुकेश कुमार जाटव ने निजी भूमि सर्वे क्रमांक 306 पर अवैध रास्ता रोकने, बिजली के पोल गाड़ने और न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने का आरोप लगाया है। वहीं सिद्धपीठ गंगादास जी की बड़ी शाला, पड़ाव के महंत रामसेवक दास महाराज ने कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 661 पर कब्जे की कोशिश और सामाजिक अशांति फैलाने की शिकायत की है। ग्राम खेरिया मोदी निवासी शिवनारायण राठौर ने सर्वे क्रमांक 152/1 एवं 152/2 की भूमि पर अवैध प्लॉटिंग और शासकीय भूमि को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि भू-माफिया खुलेआम जमीन काटकर बेच रहे हैं।

जनसुनवाई में आईं सफाई, सीवर व अतिक्रमण की समस्याएं

नगर निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों ने बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। वार्ड 5 आनंद नगर निवासी राकेश निगम ने मुख्य मार्ग पर लगने वाली सब्जी मंडी से गंदगी और यातायात अवरोध की शिकायत की। वहीं वार्ड 18 सेक्टर-ए, बीएसएफ कॉलोनी महाराजपुरा के रहवासियों ने सीवेज की नियमित सफाई न होने से सड़कों पर बहते गंदे पानी और बीमारियों के फैलने की समस्या बताई। वार्ड 29 थाटीपुर में मॉडल स्कूल के पीछे नाले की सफाई न होने से सड़क पर पानी फैलने की शिकायत सामने आई। इसी तरह वार्ड 26 घासमंडी मुरार में 30 वर्ष पुरानी क्षतिग्रस्त सीवर लाइन से घरों में गंदा पानी भरने की समस्या रखी गई। जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, सीवर, विद्युत व नामांतरण से जुड़े 36 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके शीघ्र निराकरण के निर्देश निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को दिए।

अवार्ड नाइट में हुआ सम्मान

ग्वालियर, । जेसीआई एलुमनी क्लब जेसीआई इंडिया मंडल की अवार्ड नाइट का आयोजन गत दिवस किया गया जिसमें वर्ष भर किए गए कार्यों के सहयोगियों को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। संदीप अग्रवाल ने वर्ष भर के कार्यों का ब्यौरा दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंजली बत्रा एवं विशिष्ट अतिथि अवधेश प्रताप सिंह रहे। यह जानकारी प्रवक्ता वैभव सिंघल ने दी।

मोहना में कुएं से निकली 900 वर्ष पुरानी पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा

■ श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज को सपने में हुआ था संकेत

■ ग्वालियर

जिले के मोहना तहसील स्थित श्री दिगंबर चंद्राप्रभु जैन मंदिर में मंगलवार को कुएं से लगभग 900 वर्ष पुरानी पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा मिलने से जैन समाज में हर्ष और श्रद्धा का माहौल बन गया। प्रतिमा मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों सहित ग्वालियर, भिंड, शिवपुरी, नरवर, घाटीगांव आदि जगहों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे।

जानकारी के अनुसार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज को विभिन्न समय पर सपनों में देवी-देवताओं द्वारा संकेत प्राप्त हो रहे थे। इसके बाद मुनिश्री भिंड से मोहना पहुंचे और मंदिर परिसर स्थित करीब 30 फुट गहरे कुएं से पानी मोटर के माध्यम से निकाला गया। इसके बाद एक व्यक्ति को कुएं में

उतारकर खोजबीन कराई गई, जहां से अष्टधातु की प्राचीन प्रतिमा प्राप्त हुई। प्रतिमा पर संवत् 1354 की प्रशस्ति अंकित है, जिससे इसकी आयु लगभग 900 वर्ष आंकी जा रही है। 5 इंच ऊंची इस प्रतिमा पर नौ नागों के फन तथा रक्षक देव-देवियों के समवशरण अंकित हैं। मूर्ति मिलने के बाद मंदिर परिसर भगवान और गुरुदेव के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मंदिर के विजय जैन, शिखर जैन, घनश्याम जैन, पंकज जैन, शीतल जैन, सुधीर जैन आदि मौजूद रहे।

गाजेबाजे के साथ निकली शोभायात्राः-

मुनिश्री विनय सागर महाराज के सानिध्य में जैन समाज के लोगों ने पार्श्वनाथ भगवान की शोभायात्रा निकाली। गाजे बाजे के साथ जैन मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा नगर भ्रमण कर वापस जैन धर्मशाला पहुंची। जैन समाज के लोगों ने जगह-जगह आरती उतारी। महिलाएं भजन और पुरुष जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। वहीं मुनिश्री विनय सागर महाराज ने मंत्रों से शांतिधारा कराई। इस मौके पर मुनिश्री विनय सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुएं या जमीन में दबी हुई प्रतिमा को बाहर निकालना और उसे सम्मानपूर्वक मंदिर में प्रतिष्ठित करना अत्यधिक पुण्य और भक्ति का कार्य है। यह भगवान के प्रति समर्पण और धर्म की रक्षा से संबंधित है, जो आत्मिक शुद्धि और कर्म क्षय में सहायक होता है। यह कार्य भक्त के मन में भगवान के प्रति गहरी श्रद्धा और उनके गुणों के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

मायाजाल से निकलने के लिए स्नान दान और ध्यान आवश्यकः ओंकार

दाल बाजार स्थित आबा महाराज श्रीराम मंदिर में श्री समर्थ रामदास नवमीं पुण्यतिथि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुंबई से आए कीर्तनकार ओंकार गद्रे ने कहा कि अनेक जन्मों की पुण्याई से मिली यह देह जन्म के पश्चात इंसान उस भगवान को भूल जाता है जिसने हमें यह शरीर दिया है। साथ ही यह भी भूल जाता है कि इस देह से हमें क्या प्राप्त करना है। इसलिए इस मायाजाल से बाहर निकलने के लिए तीन रास्ते बनाए हैं। पहला स्नान जिससे देहशुद्धि होती है। दूसरा दान, जिससे द्रव्य शुद्धि होती है और तीसरा ध्यान जिससे मन की शुद्धि होती है। तत्पश्चात श्री समर्थ रामदास जी द्वारा रचित ग्रंथराज दासबोध का सामूहिक पारायण किया गया जिसमें 35 साधकों ने भाग लिया। शाम को सज्जनगढ़ पर होने वाली सामूहिक उपासना हुई। वहीं प्रातः 8 से शाम 5 बजे तक श्री समर्थ रामदास जी द्वारा प्रणित महामंत्र श्रीराम जय राम जय जय राम का अखण्ड जाप शहर के साधकों द्वारा किया गया।

पेयजल आपूर्ति निजी हाथों में फिर भी विभाग के एक हजार कर्मचारियों से ले रहे काम

न्यायालय ने दिए नोटिस

■ ग्वालियर

मप्र उच्च न्यायालय ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) को नगर निगम से वापस लेने से जुड़े मामले में शासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शासन को नोटिस, राज्य निर्माण विभाग कर्मचारी संघ ग्वालियर की ओर से दायर याचिका पर जारी किया गया है।

याचिकाकर्ता ने न्यायालय को बताया कि शहर की पेयजल आपूर्ति निजी हाथों में दे दी गई है। इस कंपनी को अपने खुद के कर्मचारी रखने थे, लेकिन कर्मचारी नहीं रखे गए हैं। पीएचई के एक हजार कर्मचारियों से काम चलाया जा रहा है। इसका असर शासन पर हर माह लगभग 20 करोड़ रुपए के रूप में पड़ रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का अमला नगर निगम से वापस लेने के मसले से जुड़े मामले में शंकर सिंह सेंगर ने यह याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता देवेश शर्मा ने तर्क दिया कि वर्ष 1995 में पीएचई विभाग का संचालन अस्थाई रूप से दो वर्षों के लिए नगर निगम को सौंपा गया था। इसके बाद नगर निगम द्वारा शहर में जल प्रदाय का कार्य किया जाने लगा। बाद में अमृत जल परियोजना के अंतर्गत विष्णु प्रकाश आर पुगलिया लिमिटेड कंपनी को पांच वर्षों के लिए जल वितरण एवं संधारण का कार्य सौंप दिया गया। याचिका में बताया गया कि पीएचई विभाग, भोपाल के मुख्य अभियंता ने 16 सितंबर 2022 को नगर निगम आयुक्त ग्वालियर को पत्र लिखकर पीएचई विभाग के अमले और कर्मचारियों को वापस बुलाने की मांग की थी। इसके बाद नगर निगम को कई पत्र भेजे गए। अनुबंध की शर्तों के अनुसार संबंधित कंपनी को अपने कर्मचारियों की नियुक्ति करनी थी, जो नहीं की गई। इस स्थिति का सीधा असर दैनिक वेतनभोगी, स्थायी और कार्यभारित कर्मचारियों पर पड़ा है। याचिका में बताया गया है कि इस मामले में अब कर्मचारियों को वेतन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को नगर निगम में पदोन्नति और वरिष्ठता के लाभ से वंचित किया जा रहा है। याचिका में यह भी कहा गया कि इस व्यवस्था के चलते शासन को प्रतिमाह 20 करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान हो रहा है और ग्वालियर शहर को स्वच्छ पेयजल की समुचित आपूर्ति भी नहीं मिल पा रही है। न्यायालय ने मामले में तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए प्रमुख सचिव, प्रमुख अभियंता पीएचई, प्रमुख अभियंता नगर निगम, नगर निगम आयुक्त व मुख्य अभियंता पीएचई को नोटिस जारी किया है। संबंधित अधिकारियों को चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

80 सदस्य खाटू श्याम के लिए रवाना

ग्वालियर, । ग्रेटर ग्वालियर सेनेटरी डीलर एसोसिएशन की ओर से गत दिवस श्री खाटू श्याम जी के दर्शन हेतु विशेष धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में एसोसिएशन के लगभग 80 सदस्य शामिल हुए, जिन्हें दो बसों के माध्यम से खाटू धाम के लिए रवाना किया गया। यात्रा का शुभारंभ चेम्बर अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने किया।

सिविल अस्पताल का सोलर प्लांट बना शोपीस, लाखों की योजना पर लापरवाही भारी

सोलर प्लेटें हो रहीं कबाड़ 150 से अधिक बैटरियां गायब

■ ग्वालियर

शासन एक ओर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए लगातार योजनाएं चला रहा है और शासकीय भवनों पर सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं, वहीं, दूसरी ओर इन योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीर लापरवाही भी सामने आ रही है। इसका ताजा उदाहरण सिविल अस्पताल हजीरा में देखने को मिल रहा है, जहां लाखों रुपए की लागत से लगाया गया सोलर प्लांट अब खुद ही सवालों के घेरे में आ गया है। अस्पताल की छत पर सोलर प्लेटें तो नजर आ रही हैं, लेकिन उनके संचालन के लिए जरूरी बैटरियों का अता-पता नहीं है।

जानकारी के अनुसार सिविल अस्पताल हजीरा में विद्युत खपत कम करने और वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाखों रुपए खर्च कर सोलर प्लांट लगाया गया था। शुरुआती कुछ महीनों तक यह प्लांट ठीक से काम भी करता रहा, जिससे अस्पताल को बिजली बिल में राहत मिल रही थी। लेकिन बाद में जब अस्पताल का उन्नयन कार्य शुरू हुआ, तो सोलर पैनल हटा

दिए गए।

उन्नयन और विस्तार कार्य पूरा होने के बाद एक बार फिर अस्पताल की छत पर सोलर प्लेटें तो लगवा दी गईं, लेकिन सोलर प्लांट के लिए लगाई गई करीब 150 से अधिक बैटरियां अब गायब हैं। न तो यह स्पष्ट है कि बैटरियां कहां गईं और न ही यह कि उनकी जवाबदेही किसकी है। जबकि सोलर प्लांट को सुचारु रूप से चालू किया जाए तो अस्पताल को बिजली कटौती के समय भी राहत मिल सकती है और ऊर्जा खर्च में भी कमी आएगी।

इनका कहना है

सोलर प्लांट की बैटरियां कहां हैं, इसकी जानकारी संस्था प्रभारी से ली जाएगी और जल्द सोलर प्लांट चालू कराया जाएगा।

डॉ. सचिन श्रीवास्तव
सीएमएचओ

उच्च शैक्षणिक संस्थानों में दस्तावेज सत्यापन की फीस नहीं लगेगी

■ ग्वालियर

सरकारी भर्ती प्रक्रिया के लिए शैक्षणिक प्रमाण पत्रों का सत्यापन विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों को अब निशुल्क करना पड़ेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने यह निर्देश देश के सभी केंद्रीय, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालयों को जारी किए हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव प्रो. मनीष आर. जोशी ने पत्र में स्पष्ट किया है कि यदि किसी केंद्रीय मंत्रालय, विभाग या अन्य सरकारी एजेंसी द्वारा प्रमाण-पत्र सत्यापन का अनुरोध किया जाता है, तो संबंधित संस्थान को इसे प्राथमिकता के साथ और निशुल्क पूरा करना होगा। आयोग ने बताया कि यह आदेश 30 मई 2024 को जारी पहले के निर्देश की निरंतरता में दिया गया है, जिसमें एसएससी द्वारा आयोजित संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (सीजीएल) के माध्यम से चयनित सहायक अनुभाग अधिकारियों के शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के सत्यापन का उल्लेख था। यूजीसी के पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि सरकारी सेवा में नियुक्ति की पुष्टि से पहले शैक्षणिक योग्यता का सत्यापन अनिवार्य है, ताकि फर्जी डिग्री और जाली दस्तावेजों पर अंकुश लगाया जा सके। यह कदम भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। आयोग ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को निर्देश दिया है कि वे इस व्यवस्था का कड़ाई से पालन करें, ताकि विद्यार्थियों एवं अभ्यर्थियों को अनावश्यक आर्थिक बोझ का सामना न करना पड़े और सरकारी भर्ती प्रक्रिया में किसी भी तरह की बाधा न आए।

100 से 500 रुपए तक लगता था शुल्क

यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, सभी केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालयों सहित उच्च शिक्षण संस्थानों को केंद्र सरकार की किसी भी भर्ती प्रक्रिया से संबंधित शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों का सत्यापन निशुल्क करना होगा। इससे पहले, विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रमाण-पत्र सत्यापन के लिए 100 से 500 रुपए तक का शुल्क लिया जाता था, जो अब समाप्त कर दिया गया है।

गोलियां चलाने वाले दो और आरोपी पकड़े

ग्वालियर। बिलौआ में खदान को लेकर हुए विवाद में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों से पुलिस घटना के बारे में पूछताछ कर रही है। बिलौआ थाना प्रभारी इला टंडन ने बताया कि खदान पर कब्जे को लेकर संदीप शर्मा और मोहित शर्मा के बीच विवाद हो जाने पर मारपीट और गोलियां चल गई थीं। उक्त घटना के बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार उनके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही थी। मंगलवार को पुलिस ने गौरव शर्मा और आशू पाराशर को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों से घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है।

स्वर्गाश्रम शिशु विहार विद्यालय में लगा विज्ञान मेला

■ भितरवार

स्वर्गाश्रम शिशु विहार विद्यालय में विज्ञान मेला प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने आकर्षक और ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वार्ड 8 स्थित विद्यालय में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार एवं रचनात्मक क्षमता का विकास करना रहा। विज्ञान मेले में विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान, यातायात नियम, आधुनिक विज्ञान एवं तकनीकी प्रयोगों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता को सरल भाषा में समझाया, जिससे

उनकी वैज्ञानिक समझ और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से देखने को मिला। विज्ञान मेला देखने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विद्यालय की कार्यक्रम प्रभारी किरण जैन ने बच्चों को विज्ञान मेला के महत्व और उद्देश्य के संबंध में जानकारी दी। इस मौके पर भागवताचार्य पं. देवेन्द्र शास्त्री ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संचालक एसके सिसोदिया, कमल किशोर कुशवाह, सुनील रावत, राकेश बघेल, रेखा शर्मा, प्रतिभा, रोशनी ओझा, हिमी जैन, काजल ओझा, गुड़िया पवैया, रचना लक्षकर सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक की मौत

भितरवार। भितरवार थाना क्षेत्र के रायचौरा गांव के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से ट्रैक्टर चालक की उसके नीचे दबने से मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 की टीम भितरवार से घटनास्थल पर पहुंची और घायल चालक को भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब 7.30 बजे चालक अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर रेत भरने के लिए पवाया घाट जा रहा था। रायचौरा तिराहे से निकलते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक साहब सिंह आदिवासी पुत्र रतना आदिवासी, निवासी नयागांव कांकेर, थाना पनिहार, जिला ग्वालियर, ट्रैक्टर के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

परीक्षा केन्द्रों पर रहेगी कैमरों की निगरानी

बोर्ड परीक्षा : पेपर-कॉपी 6 और 7 फरवरी को होंगे वितरित, उड़नदस्ते तैयार

■ ग्वालियर

माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी अब अंतिम चरण में है। परीक्षा के लिए गोपनीय सामग्री पेपर और कॉपी का वितरण 6 और 7 फरवरी को किया जाएगा। इसके बाद परीक्षा केंद्राध्यक्ष परीक्षा कराने की कमान संभाल लेंगे। परीक्षाएं 10 फरवरी से शुरू होंगी और मार्च के दूसरे सप्ताह तक चलेंगी।

परीक्षा के लिए उत्तर पुस्तिकाएं (कॉपी) आ चुकी हैं, इन्हें नोडल केंद्र शिंदे की छावनी हायर सेकंडरी स्कूल में रखा गया है। इन्हें पुलिस सुरक्षा के बीच रखा गया है। यह कॉपी और पेपर परीक्षा केंद्रों को वितरित करने का काम 7 और 8 फरवरी को नोडल केंद्र से किया जाएगा। पहले दिन यानि 7 फरवरी को ग्रामीण क्षेत्र में बनाए गए परीक्षा केंद्रों के पेपर और कॉपी वितरित किए जाएंगे। 8 फरवरी को शहरी क्षेत्र में स्थित परीक्षा केंद्रों के पेपर वितरित किए जाएंगे। यहां से परीक्षा केंद्राध्यक्ष पेपर कॉपी लेकर जाएंगे और पेपर परीक्षा केंद्र के नजदीकी थाने में रखे जाएंगे। पेपरों को परीक्षा वाले दिन सुबह 6 बजे थाने से परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाया जाएगा। परीक्षा केन्द्र अध्यक्ष एवं जिलाधीश द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि प्रश्न-पत्र का बॉक्स प्राप्त करने के लिए संबंधित पुलिस थाने में सुबह 6 बजे तक पहुंचेंगे। जिलाधीश प्रतिनिधि पुलिस थाने में पहुंचने के बाद सेल्फी लेंगे और उन्हें निर्धारित एप पर अपलोड करेंगे। इसी तरह परीक्षा केन्द्र पर पहुंचकर सेल्फी अपलोड करना होगी।

इसके अलावा जिलाधीश प्रतिनिधि को परीक्षा के प्रत्येक दिन केन्द्र पर अनिवार्यतः मौजूद रहना होगा। सभी पर्यवेक्षकों को परीक्षा के पहले दिन डेढ़ घंटा पहले और परीक्षा के शेष दिनों में एक घंटा पहले परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होना होगा।

सुरक्षा के इंतजाम होंगे : परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी की व्यवस्था की जाएगी। हर परीक्षा केन्द्र पर पुलिस बल तैनात रहेगा। अतिसंवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर एक-चार का अतिरिक्त पुलिस गार्ड लगाया जाएगा।

नकल रोकने के लिए बनाए 14 उड़नदस्ते

परीक्षा केंद्रों पर नकल रोकने के लिए 14 उड़नदस्ते भी तैयार किए गए हैं। यह उड़दनदस्ते जिले भर के परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर औचक निरीक्षण करेंगे, कहीं नकल के हालात पाए जाते हैं तो कार्रवाई कर उसकी भी एक रिपोर्ट तैयार करेंगे।

परीक्षार्थियों को सुबह 8 बजे तक पहुंचना होगा परीक्षा केन्द्र पर :

बोर्ड परीक्षाओं में इस बार परीक्षार्थियों को सुबह 8 बजे तक परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा। किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा के दो घंटे होने के पहले परीक्षा केन्द्र से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। निरीक्षण दलों को परीक्षा केन्द्र छोड़ चुके परीक्षार्थियों के प्रश्न-पत्रों एवं उत्तर पुस्तिका का अवलोकन कराना होगा।

थाना पड़ाव में शांति समिति की बैठक

ग्वालियर, । थाना पड़ाव में मंगलवार को थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र भार्गव की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पड़ाव क्षेत्र के समाजसेवी, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इस दौरान आगामी त्योहारों को लेकर सुरक्षा, यातायात एवं कानून-व्यवस्था संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। बैठक में क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याएं भी रखीं। टीआई श्री भार्गव ने शांति समिति के सदस्यों को अपना मोबाइल नंबर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना, समस्या या घटना होने पर तत्काल संपर्क करें, पुलिस तुरंत कार्रवाई करेगी। उन्होंने सभी से आने वाले त्योहार सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। बैठक में नगर निगम पार्षद सोनू त्रिपाठी, डॉ. राजकुमार दत्ता, कैप्टन रंजीत रानू सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

आत्मनिर्भरता हेतु विकास

राजग सरकार द्वारा रविवार को पेश आम बजट कई मायनों में खास रहा। तमिलनाडु के लोगों की आकांक्षाओं की पर्याय कांजीवरम साड़ी पहने लगातार नौवीं बार बजट पेश करके निर्मला सीतारमण ने नारी शक्ति का परचम भी लहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट की दशा-दिशा पर तीन शब्दों में संदेश दिया कि यह स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी का बजट है। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकास व आत्मनिर्भरता के लिए बजट है। दूसरी ओर विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ खास नहीं है। आम आदमी की जिज्ञासा यही होती है कि क्या सस्ता होगा और किस पर उसकी जेब ढीली होगी। कहा जा रहा है कि माइक्रोवेव्स, सोलर पैनल, चमड़ा उत्पाद, 17 दवाइयां तथा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी। हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। विदेश यात्रा पैकेज पर भी छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु-केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया। वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए ह्यबायोफार्मा शक्ति योजनाह्न के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। दूसरी ओर आसन्न चुनाव वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, असम व तमिलनाडु को हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर का लाभ देने का प्रस्ताव है। वहीं असम को बौद्ध सर्किट का लाभ दिया गया है। यह योजना बौद्ध तीर्थों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा यहां तक कि तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाने की कोशिश है। वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली ह्यऑरेंज इकोनॉमीह्न को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। हर बार नौकरी पेशा वर्ग की आस होती है कि इनकम टैक्स में छूट मिले। लेकिन इस बार किसी स्लैब में परिवर्तन नहीं हुआ। हां, अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की बात बजट में कही गई है, जिसमें आयकर रिटर्न की फाइलिंग से जुड़ी समय सीमा और नियमों में बदलाव होगा। निश्चित रूप से दुनिया आपूर्ति श्रृंखला में जारी वैश्विक उथल-पुथल और टैरिफ युद्ध के बीच राजग सरकार ने आम बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। साथ ही आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है।

हादसों के देश भारत में प्रशासन की समस्या

पूनम आई. कौशिश

वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया जा चुका है और सरकार ने सकल घेरलू उत्पाद की वृद्धि दर 7$5 प्रतिशत रहने के लिए स्वयं को शाबाशी दी है किंतु एक प्रश्न अभी भी अनुत्तरित रह गया है कि क्या हम विश्व में आपदाग्रस्त देश बन गए हैं? ऐसा लगता है कि हम एक के बाद एक आपदा का सामना कर रहे हैं और इन आपदाओं में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है परंतु समय पर निवारात्मक कदम उठाने के लिए हमारे अधिकारियों के कानों पर कभी भी जूं नहीं रेंगती है। हाल ही में कोलकाता के बाहरी हिस्से में एक गोदाम में अग्निकांड में 29 लोगों के मरने की खबर है तथा यह संख्या और बढ़ सकती है। इस बात का पता लगाने की बजाय कि यह किसकी लापरवाही से हुआ या किसे रिश्वत दी गई, भाजपा और तृणमूल कांग्रेस जवाबदेही को नजरंदाज कर रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया है कि यह किसका पैसा है और अब तक किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई है? इस पर तृणमूल कांग्रेस ने उत्तर दिया है कि निजी गोदाम को नियंत्रित करना संभव नहीं है। यह समझा जा सकता है क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और सत्ता की लड़ाई चल रही है। इससे पूर्व दिसंबर में गोवा के नाइट क्लब में भयावह अग्निकांड में 25 लोग मारे गए। बाद में पता चला कि इस नाइट क्लब का निर्माण अवैध ढंग से किया गया था और यह बिना लाइसैंस के चल रहा था। मैजिस्ट्रेट की जांच में सामने आया कि इसके निर्माण में गंभीर खामियां थीं और विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों के साथ सांठ-गांठ थी किंतु किसी को जवाबदेह नहीं ठहराया गया और केवल नाइट क्लब के मालिकों को गिरफ्तार किया गया।

इससे पूर्व कोलकाता के एक अस्पताल में 89 लोग मारे गए। आशानुरूप अस्पताल का लाइसैंस रद्द किया गया और मुख्यमंत्री ने इस घटना के लिए कठोर दंड देने की घोषणा की तथा इसके मालिकों को गिरफ्तार किया गया किंतु अग्नि शमन उपायों के बारे में वह मौन रहीं। ह्यराष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरोह्न के आंकड़ों के अनुसार देश में प्रति वर्ष होने वाले डेढ़ लाख अग्निकांडों में 27,000 से अधिक लोग मारे जाते हैं। अग्निकांडों में 57 प्रतिशत से अधिक मौतें आवासीय क्षेत्रों में होती हैं और अक्सर ऐसी घटनाएं रात के समय होती हैं जब वहां रहने वाले लोग सो रहे होते हैं। इसके अलावा देश में प्रति वर्ष लाखों लोग दोषपूर्ण योजना निर्धारण के कारण काल के ग्रास बन जाते हैं। सड़क दुर्घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। गत वर्ष भारत में 4$ 73 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1$ 70 लाख मौतें हुई हैं। उदाहरण के लिए पिछले महीने की एक घटना को ही लें। दिल्ली में एक दंपति 8 घंटे तक अपनी कार में फंसे रहने के कारण मारे गए। किसी ने भी उनकी मदद नहीं की। यदि उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाया गया होता तो वे बच सकते थे। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित और उनके परिवार को पहुंचने वाले मनोवैज्ञानिक आघात के बावजूद सरकार ने सड़क सुरक्षा के लिए कोई ठोस अभियान नहीं चलाया और यही स्थिति अग्निकांडों के बारे में है जिन्हें रोकने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर कोई अभियान नहीं चलाया गया है। इन दुर्घटनाओं में एक सामान्य-सा पैटर्न दिखाई देता है। दैनिक शासन-प्रशासन में कड़ाई पर ध्यान देने की बजाय वर्ष 2047 तक विकसित भारत के राजनीतिक दिखावे पर ध्यान दिया जा रहा है। भारत में सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में पिछले माह लोक स्वास्थ्य आपदा आई जहां सीवेज की लीकेज के कारण पेयजल दूषित हो जाने के चलते फैली बीमारी में अनेक लोग मारे गए और सैंकड़ों लोग बीमार हो गए पर इस बारे में भी केवल बातें ही की गईं। सम्बन्धित अधिकारियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई और जल सुरक्षा निगरानी के किसी प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया। सरकार के पास भीड़ प्रबंधन की भी व्यवस्था नहीं है। गत वर्ष सितंबर में तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की रैली में पुलिस के भीड़ प्रबंधन में नाकाम रहने से 45 लोगों की मौत और अनेक लोग घायल हो गए। यह बताता है कि हमारे देश में जन सुरक्षा को बिल्कुल महत्व नहीं दिया जाता है। इसी तरह रॉयल चौलेंजर द्वारा पहली बार आई.पी.एल. ट्राफी जीतने के बाद आयोजित समारोह में भीड़ में भगदड़ मच गई। पिछले वर्ष प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में मीडिया की खूब चकाचौंध रही जिसमें 50 करोड़ से अधिक लोग आए। इस मेले में हुई भगदड़ में 200 से अधिक लोग मारे गए और सैंकड़ों घायल हुए। उसके एक माह बाद नई दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर भीड़ के चलते भगदड़ में 40 लोग मारे गए और अनेक घायल हुए किंतु दोनों ही घटनाओं को नजरंदाज कर दिया गया। यदि ऐसी घटनाओं को नजरंदाज किया जाता रहा तो फिर सुधारात्मक कदम कैसे उठाए जाएंगे? सड़क, रेल या हवाई दुर्घटना या भगदड़, किसी को भी ले लें, हर समय हर घटना के समय सुरक्षात्मक उपाय नहीं किए जाते हैं। इनके लिए कौन जवाबदेह होगा? प्रश्न उठता है कि क्या बाबुओं के पास स्वयं में सुधार करने का साहस है? क्या चयन का मानदंड क्षमता और सत्यनिष्ठा होगी या सिफारिश और संपर्क होंगे? यह सर्वविदित है कि जो सत्ता में उच्च पदों पर हैं सबसे पहले अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ देते हैं। उसके बाद राजनेताओं का नंबर आता है और ये दोनों मिलकर काम करते हैं। जिसके चलते भ्रष्टाचार और अव्यवस्था बढ़ती है। आज हमारे राज्य ह्यसमर्पित नौकरशाहीह्न या पार्टियों से जुड़ी नौकरशाही के लिए कुख्यात हो गए हैं जिसके चलते राजनीतिक बदलाव पर नौकरशाहों के बड़े पैमाने पर स्थानांतरण किए जाते हैं। राज्य में सत्ता बदलने पर अनिवार्यतरू स्थानांतरण किए जाते हैं जिसके चलते अधिकतर अधिकारी कोई पहल नहीं करते हैं। वस्तुतः अधिकारियों की राजनीतिक पहचान आजकल इतनी स्पष्ट हो जाती है कि नौकरशाह भी भविष्यवाणी कर देते हैं कि किस पार्टी के सत्ता में आने पर किस नौकरशाह को शीर्ष पद मिलेगा। सिविल सेवा एक संभ्रांत क्लब बन गया है जो अपने हितों की रक्षा करता है और सभी शीर्ष पदों पर कब्जा करते हैं। इसी के चलते इन नौकरशाहों ने विभिन्न समितियां आदि बना ली हैं और उनमें उच्च पद प्राप्त करते हैं और ये पद उन्हें किसी पार्टी को लाभ पहुंचाने के बदले में दिए जाते हैं। सही व्यक्ति को सही पद पर तैनात करने की बजाय हमारे नेता लोग गलत कारणों से गलत व्यक्ति को सही पद पर नियुक्त करते हैं।

हाल ही में कोलकाता के बाहरी हिस्से में एक गोदाम में अग्निकांड में 29 लोगों के मरने की खबर है तथा यह संख्या और बढ़ सकती है। इस बात का पता लगाने की बजाय कि यह किसकी लापरवाही से हुआ या किसे रिश्वत दी गई, भाजपा और तृणमूल कांग्रेस जवाबदेही को नजरंदाज कर रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया है कि यह किसका पैसा है और अब तक किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई है? इस पर तृणमूल कांग्रेस ने उत्तर दिया है कि निजी गोदाम को नियंत्रित करना संभव नहीं है। यह समझा जा सकता है क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और सत्ता की लड़ाई चल रही है। इससे पूर्व दिसंबर में गोवा के नाइट क्लब में भयावह अग्निकांड में 25 लोग मारे गए। बाद में पता चला कि इस नाइट क्लब का निर्माण अवैध ढंग से किया गया था और यह बिना लाइसैंस के चल रहा था। मैजिस्ट्रेट की जांच में सामने आया कि इसके निर्माण में गंभीर खामियां थीं और विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों के साथ सांठ-गांठ थी किंतु किसी को जवाबदेह नहीं ठहराया गया और केवल नाइट क्लब के मालिकों को गिरफ्तार किया गया।

इससे पूर्व कोलकाता के एक अस्पताल में 89 लोग मारे गए। आशानुरूप अस्पताल का लाइसैंस रद्द किया गया और मुख्यमंत्री ने इस घटना के लिए कठोर दंड देने की घोषणा की तथा इसके मालिकों को गिरफ्तार किया गया किंतु अग्नि शमन उपायों के बारे में वह मौन रहीं। ह्यराष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरोह्न के आंकड़ों के अनुसार देश में प्रति वर्ष होने वाले डेढ़ लाख अग्निकांडों में 27,000 से अधिक लोग मारे जाते हैं। अग्निकांडों में 57 प्रतिशत से अधिक मौतें आवासीय क्षेत्रों में होती हैं और अक्सर ऐसी घटनाएं रात के समय होती हैं जब वहां रहने वाले लोग सो रहे होते हैं। इसके अलावा देश में प्रति वर्ष लाखों लोग दोषपूर्ण योजना निर्धारण के कारण काल के ग्रास बन जाते हैं। सड़क दुर्घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। गत वर्ष भारत में 4$ 73 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1$ 70 लाख मौतें हुई हैं। किसी ने भी उनकी मदद नहीं की। यदि उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाया गया होता तो वे बच सकते थे। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित और उनके परिवार को पहुंचने वाले मनोवैज्ञानिक आघात के बावजूद सरकार ने सड़क सुरक्षा के लिए कोई ठोस अभियान नहीं चलाया और यही स्थिति अग्निकांडों के बारे में है जिन्हें रोकने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर कोई अभियान नहीं चलाया गया है। इन दुर्घटनाओं में एक सामान्य-सा पैटर्न दिखाई देता है। दैनिक शासन-प्रशासन में कड़ाई पर ध्यान देने की बजाय वर्ष 2047 तक विकसित भारत के राजनीतिक दिखावे पर ध्यान दिया जा रहा है। भारत में सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में पिछले माह लोक स्वास्थ्य आपदा आई जहां सीवेज की लीकेज के कारण पेयजल दूषित हो जाने के चलते फैली बीमारी में अनेक लोग मारे गए और सैंकड़ों लोग बीमार हो गए पर इस बारे में भी केवल बातें ही की गईं। सम्बन्धित अधिकारियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई और जल सुरक्षा निगरानी के किसी प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया। सरकार के पास भीड़ प्रबंधन की भी व्यवस्था नहीं है।

भारत-अमरीका डील से किसानी का संकट और गहरा हो जाएगा

योगेन्द्र यादव

इन पंक्तियों का लेखक पिछले कुछ समय से बार-बार यह आगाह करता रहा है कि चाहे मोदी सरकार कुछ भी कहे, ट्रम्प इसमें कामयाब होंगे कि वह भारत सरकार को ट्रेड डील पर मजबूर करें। प्रचार जो भी हो, इस डील में कृषि को शामिल किया जाएगा। पिछले कई महीनों से दरबारी मीडिया खबर फैला रहा था कि मोदी ने अमरीका के सामने झुकने से इंकार कर दिया। अगस्त में प्रधानमंत्री ने कहा था कि किसान, पशुपालक और मछुआरे उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, उनके हितों से कोई समझौता नहीं होगा। यूरोपीय यूनियन से हुए व्यापार समझौते में कृषि को बाहर रखने पर भी यही प्रचार हुआ कि मोदी किसान के हितों की रक्षा कर रहे हैं। अंततरू वही हुआ जो होना था। भारत-पाकिस्तान में युद्ध विराम की तरह इस बार भी भारत की जनता को पहली खबर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मिली। अभी प्रधानमंत्री ने मुंह नहीं खोला है और वाणिज्य मंत्री तथा कृषि मंत्री के बयान भी लीपापोती वाले ही हैं, लेकिन ट्रम्प का बयान साफ तौर पर जिक्र करता है कि डील में कृषि को शामिल किया गया है। इसकी पुष्टि अमरीका की कृषि मंत्री (वहां ह्यकृषि सचिवह्न) ब्रुक रोलिंस के बयान से हुई है। उन्होंने अमरीका के किसानों को बधाई देते हुए लिखा है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने अब उनकी फसलों के लिए भारत की मंडियों के दरवाजे खोल दिए हैं। जरूर अब भारत सरकार की तरफ से लीपा-पोती की कोशिश शुरू हो जाएगी। लेकिन कुछ बुनियादी तथ्यों पर गौर करना बेहतर होगा। पिछले कई दशकों से सत्ता में चाहे जो भी दल हो, भारत सरकार की नीति यह रही है कि कृषि को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों से बाहर रखा जाएगा ताकि किसानों के हितों की रक्षा की जा सके। भारत के किसान को विदेशी व्यापार से खतरा इसलिए नहीं है कि भारत का किसान निकम्मा या अक्षम है। दरअसल दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देश अपने किसान को भारी सबसिडी देते हैं जिसके चलते वह विश्व बाजार में अपना माल सस्ता बेच सकते हैं। इसके विपरीत भारत सरकार किसान को जितना देती है उससे ज्यादा उसकी जेब से निकाल लेती है। तकनीकी भाषा में कहें तो भारत में किसान को ह्यनकारात्मक सबसिडीह्न मिलती है। इसलिए जिन फसलों का भारत में पर्याप्त उत्पादन होता है उस पर आयात शुल्क लगाकर भारत सरकार किसान को विदेशी माल के हमले से बचाती है। इसी नीति के चलते पिछले वर्षों में जितने भी विदेशी व्यापार समझौते हुए, उनमें से कृषि उत्पादों को बाहर रखा गया। हालांकि यूरोपीय यूनियन के साथ प्रस्तावित समझौते में प्रोसैस्ड फूड को अनुमति दी गई है जिसका असर आखिर हमारे किसानों पर पड़ सकता है। ट्रम्प ने भारत सरकार को इस नीति को पलटने के लिए मजबूर कर लिया है। शुरू से ही अमरीका के वार्ताकारों की नजर भारत के कृषि पदार्थों के बाजार पर थी। अमरीका दुनिया भर में मक्का, सोयाबीन और कपास के सबसे बड़े उत्पादकों में है। पिछले कुछ वर्षों में उसका उत्पादन तो बढ़ा है लेकिन चीन ने मक्का और सोयाबीन की खरीद घटा दी है। पिछले साल अमरीका के वाणिज्य विभाग की एक रिपोर्ट ने इस फालतू उत्पादन की खपत के लिए भारत को एक बड़े स्रोत के रूप में चिह्नित किया था। उनके लिए अड़चन यह थी कि भारत का आयात शुल्क बहुत ज्यादा था और अमरीका का अधिकांश मक्का और सोयाबीन जैनेटिकली मॉडिफाइड (जी.एम.) हैं जिस पर भारत में प्रतिबंध है।

अमरीका दूध और दुग्ध उत्पाद भी भारत को बेचना चाहता है, लेकिन यहां भी शुल्क के अलावा भारत की यह शर्त है कि दूध जिस जानवर का हो उसे मांसाहारी पदार्थ न खिलाए गए हों। अमरीका इन सब शर्तों से मुक्ति चाहता था। भारत सरकार के मुताबिक अभी तक समझौते के प्रावधान अंतिम रूप से तय नहीं हुए हैं, इसलिए यह कहना कठिन है कि भारत सरकार ने इनमें से कौन-कौन-सी शर्तें मान ली हैं, लेकिन इतना तय है कि कृषि को शामिल न करने के संकल्प से मोदी सरकार पीछे हटी है। यह भी तय है कि बादाम, पिस्ता और सेब जैसी फसलों का बड़े पैमाने पर आयात खुल जाएगा और इनका उत्पादन करने वाले किसानों को झटका लगेगा। मोटे तौर पर यह भी कहा जा सकता है कि इसकी पहली मार मक्का, सोयाबीन और गन्ना किसानों पर पड़ेगी। पिछले कुछ वर्षों में देश में मक्का और सोयाबीन का उत्पादन बढ़ा है और किसानों को उसका दाम भी बेहतर मिला है। अमरीका का सस्ता मक्का और सोयाबीन आयात होने से भारतीय बाजार में उसका दाम गिरेगा। ऐसा कपास के साथ शायद न हो, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से कपास का उत्पादन घटा है और हमें कपास विदेश से आयात करनी पड़ती है, लेकिन इसका अप्रत्यक्ष नुकसान गन्ने के किसान को होगा। संभावना यह है कि मक्का और सोयाबीन में जी.एम. फसलों पर लगे प्रतिबंध से बचने के लिए सरकार इनका तेल और एथनॉल में प्रयोग करने की अनुमति दे सकती है। फिलहाल देश में गन्ने की बहुतायत है और गन्ना मिलें एथनॉल बना कर किसान का गन्ना खरीद पा रही हैं। अगर एथनॉल अमरीका से आने लगा तो गन्ना मिलें और गन्ना किसान दोनों संकट में फंस जाएंगे। अभी डेयरी के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं है, लेकिन अगर उस पर शुल्क और पाबंदी हटा दी जाती है तो भारत के पशुपालकों के लिए भारी संकट खड़ा हो जाएगा। बाहर से आए इस संकट को भीतरी बेरुखी से जोडने पर पूरी तस्वीर सामने आती है। नए बजट में वित्त मंत्री ने किसान का नाम लेना जरूरी नहीं समझा। खानापूर्ति के लिए जो योजनाओं की घोषणा की जाती थी, वह भी नहीं की।

ट्रंप-मोदी के आपसी रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के द्विपक्षीय व वैश्विक मायने

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा।

दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र और पहली-चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका व भारत में पुनः प्रेम के पींगे परवान चढ़ने शुरू हो गए। तमाम अंतर्राष्ट्रीय व द्विपक्षीय विरोधाभासों के बीच पारस्परिक सहयोग के विभिन्न जटिल पहलुओं पर जो रजामंदी दिखाई गई और फिर यह तय हुआ कि 'धीरे धीरे प्यार को बढ़ाना है, हद से गुजर जाना है!' जिसके अपने वैश्विक निहितार्थ हैं। शायद इसी हद पर 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की गारंटी निर्भर है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा। इसलिए कूटनीतिक हल्के में इस बात की आशंका अभी से ही जताई जा रही है कि आखिर अमेरिका कब तक अपने इस परिवर्तित स्टैंड पर कायम रहा पाएगा? क्या भारत को हांकने या फंसाने की उसकी फितरत बदल पाएगी? और यदि नहीं तो फिर नए भारत की उस पर क्या सधी प्रतिक्रिया होगी? जैसा कि भारत ने रणनीतिक ट्रेलर अमेरिका को दिखा भी दिया है जिसकी वजह से बिगड़ैल ट्रंफ 9 महीने बाद ही सही पर पुनः काबू में आए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत के पास द्विपक्षीय विकल्पों की कमी नहीं है! इस प्रकार देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच के संबंध जो साल 2025 की गर्मियों में व्यापारिक तनाव, रूस से भारत के भरोसेमंद संबंधों और टैरिफ पर टैरिफ युद्ध के कारण ठंडे पड़ गए थे, अब फरवरी 2026 आते आते गर्म होने लगे हैं। अब इनके बीच का वासंतिक प्रेम पुनः जाग गया है और आर्थिक रुमानियत और रणनीतिक अठखेल पुनः परवान चढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं। जहां तक मोदी-ट्रंफ के बीच के तनाव के मुख्य कारणों की बात है तो 2025 में ट्रंप ने भारत के निर्यात पर 50% तक टैरिफ बढ़ा दिए, खासकर टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स और जेम्स पर, जिससे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रुक गई। समझा जाता है कि भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना अमेरिका को पसंद नहीं आया, जबकि पाकिस्तान के प्रति ट्रंप का नरम रुख भी विवादास्पद रहा। वहीं, चुनावी राजनीति और ₹अमेरिका फर्स्ट₹ नीति ने व्यक्तिगत रसायन को प्रभावित किया। और अब जब मोदी-ट्रंप के आपसी रिश्ते पर जमी बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया की बात हुई तो बताया गया कि ट्रंप ने सितंबर 2025 में ही मोदी की तारीफ की और रिश्तों को ₹खास₹ बताया, जिसका मोदी ने सोशल मीडिया पर जवाब भी दिया। भारत की ₹चुप्पी कूटनीति₹ और एससीओ (रउड) जैसे मंचों पर मजबूत स्थिति और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) ट्रेड डील ने अमेरिका को भारत की अहमियत समझाई। लिहाजा, फरवरी 2026 में ही ट्रंप की मोदी से फोन कॉल ने जमी बर्फ को पूरी तरह पिघला दिया, जिससे ट्रेड डील की राह आसान हुई। कहना न होगा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील में टैरिफ विवाद फरवरी 2026 में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की फोन वार्ता से सुलझा। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25% से घटाकर 18% कर दिया, जबकि भारत ने रूसी तेल खरीद बंद करने और अमेरिकी उत्पादों पर जीरो टैरिफ का वादा किया। इस समझौते की मुख्य शर्तें इस प्रकार हैं- ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि मोदी के अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से रेसिप्रोकल टैरिफ कम किया गया। रूस से तेल आयात रोकना, अमेरिका/वेनेजुएला से अधिक खरीद, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाना प्रमुख रियायतें रहीं। कुल टैरिफ 50% से घटकर 18% हो गया, जिसमें रूसी तेल से जुड़ा 25% दंड समाप्त हुआ। जहां तक इनको सुलझाने की प्रक्रिया की बात है तो बेहद लंबी वार्ताओं के बाद (अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक) फोन कॉल ने अंतिम मुहर लगाई। भारत ने कृषि, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र बचाए, जबकि अमेरिका को व्यापार घाटा कम करने का लाभ मिला। यह द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का रास्ता साफ करता है। इस प्रकार ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ (खासकर रूसी तेल खरीदने के कारण) अब पूरी तरह हटाए लिए गए हैं, क्योंकि हालिया टेलीफोनिक वार्ताओं से सकारात्मक प्रगति हुई है। सितंबर 2025 में भारत-अमेरिका के बीच 7 घंटे की बैठक के बाद चर्चाएं तेज हुईं, जहां 25% अतिरिक्त टैरिफ हटाने पर सहमति बनी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने कहा कि 8-10 हफ्तों में विवाद सुलझ सकता है, जिसमें रेसिप्रोकल टैरिफ भी घटेंगे। इसलिए फरवरी 2026 तक ट्रंप-मोदी फोन कॉल ने गति दी, लेकिन पूर्ण समाधान रउड जैसे मंचों पर निर्भर है। फिर भी चुनौतियां अभी बाकी हैं। 50% टैरिफ स्टील, एल्यूमीनियम, टेक्सटाइल पर अभी प्रभावी हैं, हालांकि निर्यात में 20% वृद्धि हुई।

मोदी-ट्रंप का नया समझौता

भारत और अमेरिका के बीच सोमवार रात को व्यापार समझौते की घोषणा हुई। इस समझौते का ऐलान भी ऑपरेशन सिंदूर के बीच युद्धविराम की घोषणा की तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ही किया। उसके बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी सूचना देशवासियों को दी। इस बीच वाणिज्य और वित्त मंत्री क्या कर रहे थे, पता नहीं। बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी दोनों ने इस नए समझौते को अपनी-अपनी जीत बताया है। ट्रंप की पोस्ट में शुरूआती पंक्तियों में ही नरेन्द्र मोदी से दोस्ती की बात है और उनकी तारीफ की गई है, वहीं नरेन्द्र मोदी ने भी अपनी पोस्ट में फिर से ट्रंप को प्रिय मित्र बताया है। दो दोस्तों के बीच आपस में जो भी बात हो, किसी को फर्क नहीं पड़ना चाहिए। लेकिन जब करोड़ों देशवासियों के हितों का सवाल है, तो फिर फर्क पड़ता ही है। टैरिफ कम करने को नरेन्द्र मोदी बड़ी जीत के तौर पर प्रस्तुत कर रहे हैं, मंगलवार सुबह ही जिस तरह एनडीए सांसदों ने श्री मोदी का अभिनंदन किया, उससे जाहिर है कि विपक्ष को जवाब देने के लिए यही गुणगान किया जाएगा। मोदी की तारीफ में यह भी कहा जा रहा है कि चंद दिनों के भीतर उन्होंने दो बड़े व्यापार समझौते किए, एक तो यूरोपीय यूनियन (ईयू) से मुक्त व्यापार समझौता और दूसरा ट्रंप से टैरिफ कम करवा लिया। हालांकि दोनों समझौतों में काफी फर्क है। ईयू को अमेरिका से छिटकने के कारण ही भारत की जरूरत पड़ी। क्योंकि ट्रंप यूरोप के देशों पर अनावश्यक धौंस दिखा रहे थे। वहीं भारत को भी एक नए व्यापार साथी की तलाश थी। हालांकि ईयू से व्यापार समझौता कब तक जमीन पर उतरेगा और इसका क्या असर होगा, ये पता चलने में वक्त लगेगा। लेकिन अमेरिका से समझौते का तात्कालिक असर भारत पर पड़ेगा, क्योंकि इसमें न केवल अमेरिका बल्कि रूस, ईरान जैसे देशों से उसके रिश्तों पर असर पड़ेगा। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका अब 25 की जगह 18फीसदी टैरिफ लगाएगा, जबकि भारत शून्य टैरिफ लगाएगा। इसके अलावा ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा और 500 बिलियन डॉलर यानी करीब 45.47 लाख करोड़ का अमेरिकी सामान खरीदेगा। जिस तरीके से ट्रंप ने यह बताया है कि भारत क्या करेगा और कैसे करेगा, उससे लगता है कि यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव के तहत किया गया है। वैसे तो नरेन्द्र मोदी देश को महत्वपूर्ण फैसलों के बारे में कभी खुलकर नहीं बताते हैं, लेकिन फिर भी उनसे पूछा जाना चाहिए कि क्या इस समझौते के पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे के कारण बना कोई दबाव है। क्योंकि इसमें नरेन्द्र मोदी, उनके मंत्री हरदीप पुरी और कारोबारी अनिल अंबानी का नाम आया है। इस बारे में मोदी की सफाई पेश करने के लिए तो विदेश मंत्रालय ने बयान दिया है कि अमेरिकी न्याय विभाग ने जो कुछ फाइल्स से खुलासा किया है, वो बेबुनियाद है। लेकिन हरदीप पुरी और अनिल अंबानी के विषय में खामोशी पसरी हुई है। अगर इन दोनों के किसी भी तरह के संबंध जेफ्री एपस्टीन से थे, तो मोदी ने इन दोनों से खुद को पूरी तरह अलग करने का ऐलान क्यों नहीं किया। एक आशंका यह भी है कि क्या समझौते के पीछे अमेरिका की अदालत से गौतम अडानी को मिला समन है। मोदी सरकार इस समझौते को अपनी जीत बता रही है, तो फिर उसे साबित करना चाहिए कि अगर भारत अमेरिका 45 लाख करोड़ रूपए का सामान खरीदेगा तो बदले में अमेरिका क्या उससे इतनी ही कीमत या इससे ज्यादा कीमत का सामान खरीदेगा क्या। अगर नहीं तो फिर यह जीत कैसी है। अमेरिका ने तो भारत पर अब 18 प्रतिशत टैरिफ की बात कही है, लेकिन भारत की तरफ से जो शून्य टैरिफ लगेगा, उसमें भारत की जीत कैसे हुई। याद करें कि शपथ ग्रहण के बाद ही ट्रंप ने टैरिफ का राग छेड़ते हुए भारत के साथ व्यापार घाटे को बड़ा मुद्दा बनाया था और कहा था कि यह ठीक नहीं है। ट्रंप ने 25 प्रतिशत के टैरिफ के साथ ही पिछले साल अगस्त में रूसी तेल खरीदने के लिए दंड के रूप में अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ भारत पर लगाया था, क्या तब मोदी उन्हें महान नेता और प्रिय मित्र नहीं लग रहे थे। बता दें कि टैरिफ के दबाव से भारत के निर्यात में कमी आई थी, अगस्त 2025 में भारत का अमेरिका को निर्यात 6.86 अरब डॉलर था, जो अक्टूबर में घटकर 6.30 अरब डॉलर रह गया था। वहीं अमेरिका से आयात अगस्त में 3.60 अरब डॉलर था, जो अक्टूबर में बढ़कर 4.84 अरब डॉलर हो गया था। मतलब भारत लगातार घाटा सह रहा था और अब फिर से वही हालात बन रहे हैं। ट्रंप ने रूस की जगह वेनेजुएला से तेल खरीद की जबरदस्ती भारत पर थोपी है। तो सवाल है कि मोदी ने भारत के सबसे परखे हुए, बरसों पुराने दोस्त रूस को दरकिनार कर के क्या ट्रंप के सामने पूरी तरह घुटने टेके हैं।

युवक की संदिग्ध मौत, हत्या की आशंका

बाराबंकी/लखनऊ,(संवाददाता)। सतरिख थाना क्षेत्र के ग्राम पारा कुंवर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों के मामले में अब हत्या का आरोप लगाया गया है। जानकारी के अनुसार एक स्कूल में बस चलाने वाले शिवम रावत 23 पुत्र स्वर्गीय राम विलास के मोबाइल पर 19 जनवरी की शाम मोहम्मद अफजाल नामक व्यक्ति का फोन आया, जिसके बाद वह मोटरसाइकिल से घर से निकल गया। करीब एक घंटे बाद उसने बताया कि वह थोड़ी देर में घर लौट आएगा, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। दूसरे दिन 20 जनवरी को गांव के दक्षिण दिशा में स्थित बाग में आम के पेड़ से शिवम का शव लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का आरोप है कि मृतक के शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान मिले हैं। मृतक के भाई अंकित कुमार रावत ने पुलिस को बताया कि शिवम का गांव की ही एक विवाहिता से प्रेम प्रसंग था, जिसको लेकर पहले से रंजिश चली आ रही थी।

पोछा लगाने के पानी में मिला लें ये 4 चीजें, शीशे की तरह चमक उठेगा आपका फर्श ,मक्खियां रहेंगी कोसों दूर

बहुत से लोग ऐसे हैं जो अपने घर में हर रोज झाड़ू लगाते हैं. ऐसा करने से न सिर्फ फर्श साफ रहता है बल्कि उस पर बैक्टीरिया भी नहीं पनपते हैं. हालांकि गर्मियों में मक्खियां ज्यादा होती हैं. ऐसे में मक्खियों से बचने के लिए रोजाना पोछा लगाना जरूरी हो जाता है. बता दें, पोछा लगाने से घर अच्छी तरह साफ हो जाता है. वहीं, फर्श को रोजाना साफ करना जरूरी है, खासकर ऐसे घर में जहां बच्चे हों. इसके अलावा पूरे घर को इस तरह से साफ करना चाहिए कि उसमें से अच्छी खुशबू आए. इसके लिए जानें पोछा लगाने वाले पानी में क्या मिलाएं...

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा चिकना और गैर चिकना दोनों तरह के दागों को हटा सकता है, फर्श पर कई तरह के चिकने दाग होते हैं. वहीं, गर्मी के मौसम में तरबूज और आम जैसे फलों का रस अगर फर्श पर गिर जाए तो वह चिकना हो जाता है, क्योंकि इनमें मौजूद चीनी और अन्य तत्व फर्श पर फैलकर चिपचिपा बना देते हैं. वहीं, फर्श पर चिकनापन होने के कारण यह कीड़े-मकोड़ों, चींटियों और मक्खियों को आकर्षित कर सकता है. इसलिए इन चिकने दागों को हटाने के लिए पोछा लगाने वाले पानी में बेकिंग सोडा जरूर मिलाएं. इससे

पोछा लगाने से चिकनाई, तेल और ग्रीस के दाग जल्दी हटाने में मदद मिलेगी.

नींबू का रस

नींबू का रस विटामिन सी से भरपूर होता है. एक नेचुरल सफाई एजेंट के रूप में यह अद्भुत काम करता है. इसमें हाई माइक्रोबियल प्रॉपर्टीज भी होते हैं. इसलिए इसमें बैक्टीरिया को मारने की शक्ति होती है. यदि आप फर्श पोंछने के लिए पानी में नींबू का रस मिला लें तो इससे न केवल अच्छी खुशबू आएगी बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे. दो नींबू का रस आधी बाल्टी पानी में मिलाकर पोंछा लगा लें. इससे अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं.

वेजिटेबल ऑयल

ऐसे कई तेल हैं जिनकी खुशबू अच्छी होती है, जैसे पेपरमिंट तेल और नींबू का तेल आदि. आधी पानी से भरी बाल्टी में दो बड़े चम्मच इन में से किसी एक तेल को तेल डालें और अच्छी तरह मिला लें. फिर इस पानी से फर्श को पोंछें. इससे पूरा घर खुशबू से महक उठेगा और यह बैक्टीरिया को भी दूर भगाने में मदद करता है. इस तरह से फर्श पर पोछा लगाने से मक्खियां भी घर से दूर रहेंगी.

सिरका

सिरके का उपयोग घर की सफाई के लिए भी किया जा सकता है. इसके लिए आधा बाल्टी पानी में एक चौथाई कप सिरका डालकर अच्छी तरह मिला लें और इस पानी से अपने घर की फर्श को पोछें. ऐसा करने से इससे चिकनाई हट जाएगी और अच्छी खुशबू आएगी. सिरके वाला पानी रसोईघर की सफाई के लिए अद्भुत माना जाता है। एक बार सिरके का प्रयोग करके देखें. आप समझ जायेंगे कि यह कितनी अच्छी तरह काम करता है.

कम पानी नहीं ज्यादा मात्रा में पानी लेकर पोछा लगाएं

घर को साफ रखने के लिए आपको ज्यादा पानी से पोछा लगाना पड़ता है. कुछ लोग कम पानी से पोछा लगाते हैं. वे एक बार में ही पूरा कमरा साफ कर देते हैं या फिर पोछा पानी में डुबोकर कमरे में दो या तीन बार पोछा लगाते हैं. ऐसा करने से धूल हट जाती है लेकिन बैक्टीरिया और मक्खियां घर में नहीं जा पाते हैं. इसलिए, हमेशा पोछे में अधिक पानी डालकर फर्श साफ करें.

वास्तु के अनुसार घर में वॉशिंग मशीन किस दिशा में रखनी चाहिए?

वास्तु शास्त्र में हर वस्तु के लिए एक स्थान निर्धारित किया गया है. जब ये चीजें सही दिशा या स्थान पर नहीं होती हैं, तो उस घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित होने लगती है. इसका नकारात्मक प्रभाव घर और उस घर के सदस्यों पर पड़ता है. आजकल वॉशिंग मशीन हर किसी के लिए जरूरी हो गई है. लेकिन वास्तु के अनुसार अगर हम घर में वॉशिंग मशीन रखते हैं, तो कई लोगों को यह नहीं पता होता है कि इसके लिए कौन सी दिशा सबसे अच्छी है. हालांकि, कई लोग वास्तु की सही समझ न होने के कारण वॉशिंग मशीन को गलत दिशा में रख देते हैं. इससे घर के वास्तु पर गंभीर असर पड़ता है. इसलिए वास्तु विशेषज्ञों का कहना है कि घर में वॉशिंग मशीन रखने की सही दिशा जानना बहुत जरूरी है, खबर के माध्यम से जानें घर में वॉशिंग मशीन रखने की सही दिशा क्य है

वॉशिंग मशीन रखने की सही दिशा क्या है?

दुनियाभर में कई लोग हैं जो वास्तु को मानते हैं और अपने घर में हर चीज वास्तु के हिसाब से रखते हैं. ऐसे में कहा जाता है कि घर में हर चीज वास्तु के हिसाब से होनी चाहिए. वास्तु के अनुसार घर में वॉशिंग मशीन का सही दिशा में होना बहुत जरूरी है. क्योंकि इससे उस घर से नकारात्मकता दूर रहती है. सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है. वास्तु शास्त्र के अनुसार वॉशिंग मशीन को दक्षिण-पूर्व दिशा में रखने से वास्तु दोष खत्म हो जाता है. इस तरीके को अपनाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है. इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है. अगर आप ऐसी सावधानियां नहीं बरतते हैं और वास्तु शास्त्र का पालन नहीं करते हैं तो आपको कई मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा. वॉशिंग मशीन को दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना चाहिए क्योंकि यह मशीन आदि के लिए सबसे अच्छी दिशा मानी जाती है.

सरल शब्दों में समझे तो वास्तु शास्त्र के अनुसार, वॉशिंग मशीन रखने के लिए आदर्श दिशा दक्षिण-पूर्व या उत्तर-पश्चिम दिशा है.

दाहिने हाथ में खुजली होने का क्या होता है मतलब? भविष्य को लेकर मिलते हैं ये संकेत

शकुन शास्त्र एक प्राचीन विद्या है जो हमें सूक्ष्म गतिविधियों के आधार पर भविष्य के बारे में जानकारी देती है। यह ज्योतिष

का ही एक हिस्सा है, जिसमें शरीर के विभिन्न हिस्सों की घटनाओं को देखकर भविष्य में होने वाली घटनाओं का अनुमान लगाया जाता है। इसी संदर्भ में, हाथों की खुजली को भी एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है।

हाथ की खुजली का क्या अर्थ होता है?

जब हाथ में खुजली होती है, तो यह संकेत करता है कि निकट भविष्य में कुछ अच्छा या बुरा होने वाला है। यह संकेत हमें अपने जीवन के बारे में चेतावनी या शुभ समाचार देने का काम करता है। विशेष रूप से, दाएं और बाएं हाथ की खुजली के अर्थ अलग-अलग होते हैं।

जब दाएं हाथ में हो खुजली

शकुन शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के दाहिने हाथ या शरीर के दाहिने हिस्से में खुजली हो रही है, तो यह एक अशुभ संकेत हो सकता है। इसका अर्थ है कि आने वाले समय में आपको धन की हानि हो सकती है या फिर आपको व्यर्थ की चीजों पर धन खर्च करने का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, जब दाएं हाथ में खुजली हो, तो इसे एक चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए और हमें अपने धन के खर्च को सोच-समझकर करना चाहिए। इसके विपरीत, पुरुषों के लिए दाहिने हाथ की खुजली एक शुभ संकेत मानी जाती है। इसका मतलब है कि वे जल्द ही किसी रूप में धन लाभ प्राप्त करने वाले हैं।

जब बाएं हाथ में हो खुजली

अगर किसी व्यक्ति के बाएं हाथ में खुजली हो रही है, तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। इसका मतलब है कि जल्द ही आपको धन लाभ होने वाला है। यह संकेत बताता है कि आपके पास पैसे से जुड़ी कोई खुशखबरी आ सकती है। इसलिए, बाएं हाथ की खुजली होने पर यह समझा जा सकता है कि अच्छे दिन आ रहे हैं और आपको आर्थिक रूप से फायदा होने वाला है। हालांकि, पुरुषों के लिए बाएं हाथ में खुजली को अशुभ माना जाता है। यह संकेत करता है कि उन्हें धन की हानि हो सकती है या फिर आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

डिस्कलेमरः यह लेख शकुन शास्त्र पर आधारित है और इसका उद्देश्य केवल जानकारी प्रदान करना है। किसी भी फैसले से पहले विशेषज्ञ से सलाह लें।

कैमरे में कैद हुआ अवनीत कौर का हॉट लुक, मिनि स्कर्ट पहन एक्ट्रेस ने दिए सिजलिंग पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर आए दिन अपनी ग्लैमरस और स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम पर अपलोड कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को अपने हुस्न का कायल करती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी बेहद ही ग्लैमरस फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

अवनीत कौर की इन लेटेस्ट फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने चेक लुक में शर्ट पहनी हुई है, जिसके साथ उन्होंन बेज कलर के लुक में स्कर्ट पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही हॉट नजर आ रही हैं।

बालों को स्टाइलिश पोनीटेल लुक देकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये किलर अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। इंडियन हो या वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर एक अंदाज में कहर ढाती हैं।

फैमिली पार्टी में रॉयल लुक पाने के लिए स्टाइल करें ये सिल्क साड़ी, आप पर टिक जाएगी हर नजर

ऐसे में आप भी फैमिली फंक्शन में सिल्क साड़ी वियर कर सकती हैं। इसलिए आप इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिल्क साड़ियों के बारे में बताने जा रही हैं। इन साड़ी को वियर करने के बाद हर किसी की नजर

आप पर टिकी रह जाएगी। महिलाएं खूबसूरत नजर आने के लिए साड़ी पहनना पसंद करती हैं। ऑफलाइन और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर आपको कई सारे साड़ी के ऑप्शन मिल जाएंगे। वहीं फैमिली फंक्शन में भी महिलाएं रॉयल और स्टाइलिश लुक पाने के लिए साड़ी पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में आप भी फैमिली फंक्शन में सिल्क साड़ी वियर कर सकती हैं। साथ ही इसमें आपको लुक भी बेहद खूबसूरत नजर आएगा। वहीं आप सस्ते दाम में इस तरह की साड़ी पहन सकती हैं। इसलिए आप इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिल्क साड़ियों के बारे में बताने जा रही हैं। इन साड़ी को वियर करने के बाद हर किसी की नजर आप पर टिकी रह जाएगी।

वोवन सिल्क साड़ी

अगर आप भी फैमिली पार्टी में सबसे हटकर नजर आना चाहती हैं, तो आपको सिल्क साड़ी पहननी चाहिए। यह साड़ी वोवन सिल्क में हैं और इसको पहनकर आपको बेहद खूबसूरत और रॉयल लुक मिलेगा। फैमिली पार्टी के अलावा आप शादी जैसे खास मौकों पर भी इस तरह की साड़ी वियर कर सकती हैं। मार्केट में आप 3,000 रुपए तक यह साड़ी पहन सकती हैं। आप इस साड़ी के साथ हाफ स्लीव्स वाले कॉन्ट्रास्ट ब्लाउज कैरी करें। वहीं ज्वेलरी में आप चोकर सेट वियर कर सकती हैं।

जरी वर्क साड़ी

पार्टी या फंक्शन में जाने के लिए आप जरी वर्क साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इसको पहनकर आपको रॉयल लुक मिलेगा। वहीं ये साड़ी इन दिनों काफी ट्रेंड में हैं। महिलाएं कई खास मौकों पर इस तरह की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। इस साड़ी में आपको कई डिजाइन ऑप्शन मिल जाएंगे। मार्केट से आप 2,000 से 4,000 रुपए तक की कीमत में ले सकती हैं। जरी वर्क वाली साड़ी को आप हाफ स्लीव्स वाले ब्लाउज के साथ कैरी कर सकती हैं।

कांजीवरम साड़ी

फैमिली पार्टी में रॉयल लुक पाने के लिए आप कांजीवरम साड़ी का भी चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी देखने में जितनी अधिक खूबसूरत लगती है, उतनी ही पहनने के बाद लगती है। आप बैकलेस या स्लीवलेस ब्लाउज के साथ इस तरह की साड़ी को वियर कर सकती हैं। इस साड़ी को पहनकर आपका लुक भीड़ से अलग नजर आएगा। आप कांजीवरम साड़ी के साथ स्टोन वर्क ज्वेलरी भी वियर कर सकती हैं।

ऐसे बनाएं नरम और लजीज गार्लिक नान, स्वाद में ढाबे से भी बेहतर

परफेक्ट गार्लिक नान बनाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप आटा सही तरह से गूंथे। अक्सर लोग इस पर बहुत अधिक ध्यान नहीं देते। अगर आप नान के लिए आटा गूंथ रहे हैं तो इसके लिए दही का इस्तेमाल करना काफी अच्छा रहता है।

दाल मखनी या चिकन बटर मसाला के साथ अगर नान मिल जाए तो स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। इसमें भी अगर आपको लहसुन खाना अच्छा लगता है तो गार्लिक नान से बेहतर शायद ही कोई दूसरा ऑप्शन हो। अमूमन हम सभी बाजार में जाकर गार्लिक नान का लुत्फ उठाना पसंद करते हैं, क्योंकि घर पर उस परफेक्ट नान की बनावट बनाना मुश्किल लग सकता है। लेकिन चिंता न करें, अगर आपको कुछ आसान टिप्स के बारे में पता है तो आप इसे बेहद आसानी से बना सकते हैं।

अमूमन यह देखने में आता है कि जब लोग घर में गार्लिक नान बनाते हैं तो वे या तो बहुत अधिक सूखे होते हैं या फिर उनमें रेस्टोरेंट स्टाइल की तीखापन नहीं होता।

छत्तीसगढ़ की असल खूबसूरती से रुबरू होने के लिए पहुंचे सरगुजा, प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है ये जगह

छत्तीसगढ़ में मौजूद सरगुजा एक ऐसी अद्भुत और खूबसूरत जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सरगुजा की खासियत और पास में स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत राज्य है। साल 2000 में यह राज्य मध्यप्रदेश से अलग होकर बना था। इसको देश का 26वां राज्य माना जाता है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर है। छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक, प्राकृतिक विविधता और पारंपरिक इतिहास के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जो जंगलों से घिरा है और लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है।

छत्तीसगढ़ में स्थित मैनपाट, बर्नवापारा वन्यजीव अभयारण्य, चित्रकूट, रायपुर और भिलाई जैसी फेमस जगहों को एक्सप्लोर करने के लिए हर महीने हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ में मौजूद सरगुजा एक ऐसी अद्भुत और

खूबसूरत जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सरगुजा की खासियत और पास में स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सरगुजा

सरगुजा छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख जिला है, जिसका मुख्यालय अंबिकापुर है। यह राज्य के उत्तरी भाग में स्थित है। इसके अलावा यह झारखंड, उत्तर प्रदेश और ओडिशा की सीमा के काफी करीब है। सरगुजा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से करीब 327 किमी दूर है

सरगुजा का इतिहास

सरगुजा अपनी खूबसूरती के अलावा इतिहास के बारे में भी जाना जाता है। इसलिए आपको सरगुजा का इतिहास जानना बहुत जरूरी है। रामायण काल में इस स्थान को दंडकारण्य के नाम से जाना जाता था। तो वहीं कई अन्य लोगों का मानना है कि इसको पहले डांडोर के नाम से भी जाना जाता था।

एक अन्य मिथक के मुताबिक मौर्य वंश के आगमन से पहले यह क्षेत्र नंदा वंश के भगवान नंदा वंश के अधीन था। इस क्षेत्र में कई नक्काशी और पुरातन अवशेषों को भी देखा जा सकता है।

इस जगह की खासियत

सरगुजा के बारे में बताया जाता है कि यह जिले का करीब आधे से अधिक हिस्सा जंगलों से घिर है। इसकी सीमा पर ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश है।

सरगुजा के बारे में बताया जाता है कि यहां के जंगलों में पांडो और कोरवा जैसी आदिवासी जनजातियां रहती हैं। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। पर्यटक यहां पर सुकून के पल बिताने के लिए पहुंचते हैं।

क्यों है इतना खास

पर्यटकों के लिए यह जगह जन्नत मानी जाती है। जो पर्यटक प्रकृति से प्रेम करते हैं, उनके लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। आप यहां पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़, हरियाली, झील-झरने और लुभावने दृश्यों को देखकर खुशी से झूम उठेंगे।

सरगुजा अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। यहां पर आप हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

बता दें कि सरगुजा में ऐसी कई हसीन और शानदार जगहें मौजूद हैं, जिन्हें आपको एक्सप्लोर करना चाहिए। आप यहां पर तिब्बत मंदिर, टाइगर पॉइंट, चेंद्रा वॉटरफॉल, महामाया मंदिर, रामगढ़ पहाड़, दुर्गा मंदिर और फिश पॉइंट जैसी धार्मिक और बेहद खूबसूरत जगहें एक्सप्लोर कर सकते हैं।

फेसबुक पर धमकी से मचा सियासी हड़कंप, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय निशाने पर

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय को सोशल मीडिया पर धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में कांग्रेस नेताओं ने कड़ा विरोध जताते हुए लखनऊ के हुसैनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और साइबर सेल की मदद ली जा रही है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह ह्यबबलूह्व ने हुसैनगंज थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि फेसबुक के माध्यम से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को धमकी दी गई है। तहरीर में कहा गया है कि धमकी देने वाला अकाउंट फर्जी प्रतीत हो रहा है और इसका उद्देश्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को डराना और उनकी छवि धूमिल करना है। हुसैनगंज थाना प्रभारी निरीक्षक शिवमंगल सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल से सहायता मांगी गई है। फेसबुक अकाउंट संचालित करने वाले व्यक्ति की पहचान की जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं में खासा आक्रोश देखने को मिला।

कमेंट्री में क्यों नहीं हाथ आजमाते धोनी ? किया मजेदार खुलासा रोहित-कोहली को खेल जारी रखने की दी सलाह

मुंबई। धोनी ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे में खेलते रहने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि हम कोई नहीं होते किसी को बताने वाले कि वह कब तक खेल सकते हैं। धोनी ने कहा कि उम्र कोई मायने नहीं रखता। फिटनेस ही सबकुछ है। अगर रोहित और विराट में अब भी देश को देने के लिए कुछ है, तो वह 2027 वनडे विश्व कप में क्यों नहीं खेल सकते। टी20 विश्व कप को शुरू होने में अब बस तीन दिन रह गए हैं। भारतीय टीम आगामी विश्व कप में खिताब का बचाव करने उतरेगी। रोहित शर्मा की अगुआई और विराट कोहली के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारत ने 2024 में दूसरी बार टी20 विश्व कप जीता था। हालांकि, अब ये दोनों सितारे इस विश्व कप में नहीं दिखेंगे। रोहित और कोहली, दोनों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले लिया है। अब ये दोनों सिर्फ वनडे में दिखते हैं। हालांकि, दोनों ने वनडे में भविष्य में क्रिकेट जारी रखने को लेकर कोई कमिटमेंट नहीं दिया है। ऐसे में भारत के सफलतम कप्तानों में शुमार महेंद्र सिंह धोनी चाहते हैं कि रोहित और कोहली खेलना जारी रखें। साथ ही धोनी ने यह भी बताया कि क्यों वह कमेंट्री में हाथ नहीं आजमाते। इसके लेकर उन्होंने मजेदार कारण बताया। इंटरव्यू में धोनी ने रखे अपने विचार धोनी ने कोहली और रोहित का समर्थन करते हुए कहा है कि उन्हें कोई यह न बताए कि वे खेलना जारी रख सकते हैं या नहीं। धोनी ने टीवी प्रेजेंटर जतिन सप्रू के साथ एक इंटरव्यू में भारतीय क्रिकेट पर अपने विचार व्यक्त किए। लगभग आधे घंटे की बातचीत के दौरान जब रोहित (38 वर्ष) और कोहली (37 वर्ष) के 2027 वनडे विश्व कप खेलने की संभावना को लेकर बात हुई तो धोनी ने पहले चुटकी लेते हुए कहा, 'माफ कीजिए, सवाल क्या है।' 'किसी को उम्र के बारे में बताने की जरूरत नहीं' इसके बाद धोनी ने तुरंत ही गंभीर लहजा अपनाते हुए पूछा, 'क्यों नहीं। किसी को विश्व कप क्यों नहीं खेलना चाहिए? मेरे लिए उम्र कोई मापदंड नहीं है। मेरे लिए प्रदर्शन और फिटनेस ही मापदंड हैं। मेरा मानना है कि किसी को कुछ भी बताने की जरूरत नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि सबके साथ एक जैसा व्यवहार किया जाएगा।' उन्होंने कहा, 'जब मैंने डेब्यू किया तब मैं 24 साल का था। किसी ने मुझे कुछ नहीं कहा और अब जब मैं 10 साल या 20 साल से भारत के लिए खेल रहा हूं, तो किसी को आकर मेरी उम्र के बारे में बताने की जरूरत नहीं है।' 'टीम में अनुभव का होना मायने रखता है' यह 44 वर्षीय खिलाड़ी अब भी आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलता है। धोनी ने कहा कि टीम में अनुभव काफी महत्व रखता है। उन्होंने कहा, 'चाहे रोहित हों या विराट या अगले पांच वर्षों में उभरने वाले अन्य खिलाड़ी...वे अगला विश्व कप खेल सकते हैं या नहीं, यह तय करना हमारा काम नहीं है। यह उनका काम है। अगर वे अच्छा खेलते रहते हैं। अगर उनमें देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की इच्छा है, तो फिर वे क्यों नहीं खेल सकते।' 'जब तक कि वह सचिन तेंदुलकर जैसा न हो' धोनी ने कहा, 'आपको अनुभवी खिलाड़ी नहीं मिल सकते। आपको 20 साल की उम्र वाला कोई अनुभवी खिलाड़ी नहीं मिल सकता, जब तक कि वह सचिन तेंदुलकर जैसा न हो। आप जानते हैं कि उस उम्र में अनुभव तभी मिलता है जब आप 16 या 17 साल की उम्र में खेलना शुरू करते हैं।' धोनी ने कहा कि किसी खिलाड़ी को तब तक अनुभवी नहीं माना जा सकता जब तक कि उसने अपने करियर में लंबे समय तक दबाव का सामना न किया हो। 'दबाव में खेलना महत्वपूर्ण होता है...' उन्होंने कहा, 'अगर आप 20-25 मैचों को अनुभव कह रहे हैं, तो वे अनुभवी नहीं हैं क्योंकि खिलाड़ियों के लिए दबाव में खेलना महत्वपूर्ण होता है। मुझे वह अनुभव हासिल करने के लिए 80-85 मैच खेलने होंगे और फिर यह सीखना होगा कि अपने मन को कैसे काबू में रखूं, अपनी भावनाओं को कै से नियंत्रित करूं और दबाव में कैसे अच्छा प्रदर्शन करूं। इसलिए मुझे लगता है कि अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का सही संयोजन बहुत महत्वपूर्ण होता है।' 'सभी के साथ समान व्यवहार करना जरूरी है' भारत के मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अब केवल वनडे में खेलने वाले रोहित और कोहली के भविष्य पर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की है। धोनी ने कहा कि जो भी खिलाड़ी फिट रहकर अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, उसे उम्र की परवाह किए बिना अपनी जगह बनाए रखने का अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सभी के साथ समान व्यवहार करना जरूरी है। जो लोग अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, वे टीम में होंगे। जो लोग अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, उन्हें वहां जगह नहीं मिलेगी। अगर कोई खिलाड़ी फिट नहीं है तो आप उसे किसी भी समय बाहर निकाल सकते हैं। अगर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है तो आप उसका आकलन करेंगे।' धोनी ने कहा, 'इसलिए चयन के मामले में किसी भी खिलाड़ी के बारे में कोई सवाल नहीं होना चाहिए। केवल एक ही मानदंड है। आप अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, आप फिट हैं तो खेलना जारी रखिए।' 'आंकड़ों के मामले में कच्चा हूं...' धोनी ने कमेंट्री करने की संभावना को लगभग खारिज कर दिया है और कहा कि वह आंकड़ों के मामले कच्चे हैं और इसलिए इस भूमिका में नहीं उतरते हैं जो संन्यास लेने के बाद खिलाड़ियों का सबसे प्रिय काम रहा है। भारत ने इस 44 वर्षीय खिलाड़ी की अगुवाई में आईसीसी की तीन ट्रॉफी जीती हैं, लेकिन 2020 में संन्यास लेने के बाद से उन्होंने खेल से जुड़े मुद्दों पर शायद ही कभी अपने विचार व्यक्त किए हैं। क्रिकेट से उनका जुड़ाव अब केवल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में खेलने तक ही सीमित है। 'आंखों देखा हाल सुनाने और आलोचना के बीच मामूली अंतर' धोनी ने कहा, 'कमेंट्री करना बहुत मुश्किल है। मुझे लगता है कि खेल का आंखों देखा हाल सुनाने और उस प्रक्रिया में खिलाड़ियों की आलोचना करने के बीच बहुत मामूली अंतर होता है। यह अंतर बहुत ही नाजुक होता है। अक्सर, आपको इस बात का अहसास भी नहीं होता कि आप जो कर रहे हैं वह शायद थोड़ा गलत है। आप हमेशा उस स्थिति में रहना चाहेंगे जहां आप खेल का वर्णन कर रहे हों। अगर आपको लगता है कि कुछ गलत है तो आप उसे खुलकर बोल देते हैं।' आंकड़ों को याद नहीं कर पाते धोनी धोनी ने कहा, 'लेकिन इसे पेश करना भी एक कला है। अपनी बात शालीनता से कैसे कही जाए ताकि किसी को बुरा न लगे।

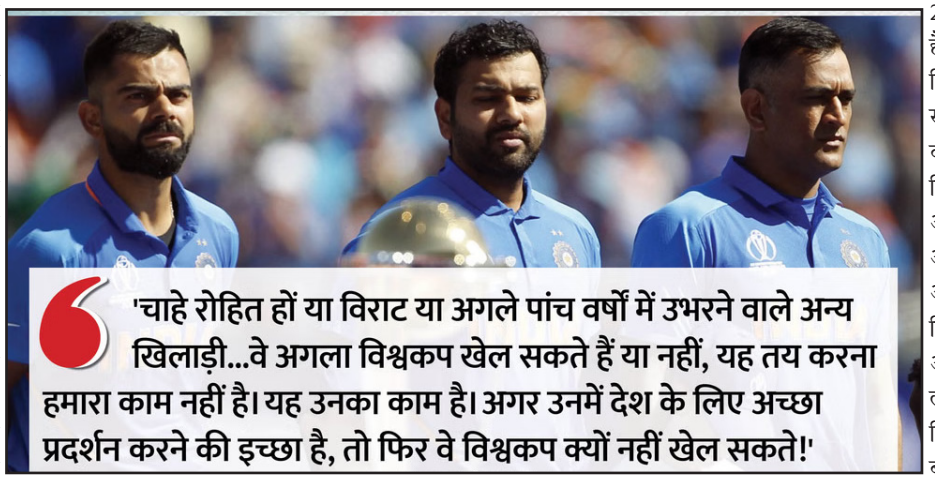

अब तो भगोड़े ललित मोदी ने भी ढअङ को लताड़ा, कहा- राजनीति के दबाव में लिए फैसलों से क्रिकेट को नुकसान

लंदन। पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला लिया है। इस फैसले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या राजनीति विश्व क्रिकेट को नुकसान पहुंचा रही है। ललित मोदी के मुताबिक, इस टकराव में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कमजोर होगा और आईपीएल जैसी फ्रेंचाइजी लीग्स और मजबूत बनेंगी। अगर बहिष्कार जारी रहा, तो क्रिकेट मैदान में नहीं, बल्कि फैसलों की टेबल पर हारता नजर आएगा। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर पैदा हुआ विवाद अब सिर्फ एक मैच तक सीमित नहीं रहा है। पाकिस्तान द्वारा ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ खेलने से इनकार करने पर पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। ललित मोदी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और उसके अध्यक्ष ट्रॉफी चोर मोहसिन नकवी को भी लताड़ा है। उनका साफ कहना है कि जब खेल में राजनीति घुसती है, तो नुकसान क्रिकेट का होता है और फायदा सिर्फ फ्रेंचाइजी क्रिकेट को। ललित मोदी का सीधा आरोप आईएएनएस से बातचीत में ललित मोदी ने पाकिस्तान के फैसले की आलोचना करते हुए कहा, 'क्रिकेट मैदान में तय होने के लिए बना है, बोर्डरूम या बहिष्कार के जरिए नहीं। जब राजनीति खेल में घुसती है, तो खेल हारता है, लेकिन फैंस हमेशा याद रखते हैं कि किसने प्रतिस्पर्धा का साथ दिया।' उनका मानना है कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले जैसे हाई-वोल्टेज मैच क्रिकेट की आत्मा हैं और ऐसे मुकाबलों से पीछे हटना खेल भावना के खिलाफ है। चयनात्मक बहिष्कार पर उठे सवाल पाकिस्तान ने 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत के खिलाफ मैच से हटने का फैसला किया है, जो सरकारी निदेर्शों के बाद लिया गया बताया जा रहा है। हालांकि, पाकिस्तान टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों में हिस्सा लेगा। यह चयनात्मक बहिष्कार कई सवाल खड़े करता है, खासकर तब जब भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता को विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी टक्कर माना जाता है। आईसीसी और अंक तालिका पर असर इस पूरे घटनाक्रम के बाद आईसीसी स्टेकहोल्डर्स से सलाह-मशविरा कर रही है।

घर में खेलेंगे, पर कहलाएंगे मेहमान! टी20 विश्व कप में भारतीय मूल के 40 खिलाड़ी; छह जिनपर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ खिताब की लड़ाई नहीं, बल्कि पहचान, जड़ों और सपनों की कहानी भी है। भारतीय मूल के खिलाड़ी अपने जन्मस्थान में विदेशी जर्सी पहनकर उतरेंगे, जहां हर रन, हर विकेट और हर ओवर उनके निजी इतिहास से जुड़ा होगा। यह टूर्नामेंट विश्व क्रिकेट के वैश्वीकरण और भारतीय प्रवासियों की बढ़ती भूमिका का सबसे बड़ा उदाहरण बनेगा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एक दिलचस्प और भावनात्मक पहलू यह होगा कि 20 टीमों में 40 भारतीय मूल के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ये वो खिलाड़ी हैं, जिन्होंने कभी भारत के लिए खेलने का सपना देखा था, लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते उन्हें दूसरे देशों का प्रतिनिधित्व करना पड़ा। अब वही खिलाड़ी विश्व कप जैसे मंच पर अपनी पहचान बना रहे हैं, बस जर्सी अलग है। कनाडा और अमेरिका सबसे आगे इस सूची में कनाडा सबसे ऊपर है, जहां 11 भारतीय मूल के खिलाड़ी शामिल हैं। इसके बाद अमेरिका (9), जबकि ओमान और यूएई में सात-सात खिलाड़ी हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इटली और नीदरलैंड्स की टीमों में भी भारतीय जड़ें रखने वाले खिलाड़ी नजर आएंगे। शौकिया क्रिकेट से विश्व मंच तक अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल, जो गुजरात अंडर-19 के लिए खेल चुके हैं, इस बदलाव की सबसे बड़ी मिसाल हैं। उन्होंने कहा, 'यह हमारे कई खिलाड़ियों के लिए सपना पूरा होने जैसा है। भारत में अमेरिका के लिए खेलना अलग अनुभव है, लेकिन यह फैसला मेरे लिए सही साबित हुआ।' वहीं, इटली की ओर से खेलने वाले जसप्रीत सिंह, जो फगवाड़ा में जन्मे हैं, ने कभी अंतरराष्ट्रीय मैदानों पर खेलने का सपना देखा था। कभी जीवन यापन के लिए उबर चलाने वाले जसप्रीत आज विश्व कप में खेल रहे हैं, वह भी भारत में। अमेरिका के तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर जैसे कई खिलाड़ी आज भी प्रोफेशनल नौकरी करते हैं। नेत्रवलकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और छुट्टियां लेकर क्रिकेट खेलते रहे हैं। उन्होंने पिछले विश्व कप में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को आउट किया था। कोच की नजर से हकीकत ओमान के डिप्टी कोच सुलक्षण कुलकर्णी का मानना है, 'जब खिलाड़ियों को समझ आता है कि भारत में मौका मिलना कितना मुश्किल है, तो वे बाहर के विकल्प तलाशते हैं। अब यह समझ और जल्दी आ रही है।' टी20 वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ ट्रॉफी की लड़ाई नहीं, बल्कि उन भारतीय मूल के खिलाड़ियों के सपनों का मंच है, जिन्हें भारत में मौका नहीं मिला। विदेशी टीमों के रंग में रंगे ये खिलाड़ी विश्व क्रिकेट के बदलते स्वरूप और भारतीय क्रिकेट की गहराई, दोनों की कहानी कहते हैं। मेजबान भारत जहां खिताब बचाने उतरेगा, वहीं कई टीमें भारतीय मूल के खिलाड़ियों के दम पर इतिहास रचने की कोशिश करेंगी। आइए उन छह भारतीय मूल के खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं, जिन पर सबसे ज्यादा नजरें होंगी- सौरभ नेत्रवलकरः गोल चक्कर में घूमी जिंदगी मुंबई में जन्मे सौरभ नेत्रवलकर के लिए सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ उतरना एक असाधारण क्षण होगा। भारत के लिए अंडर-19 खेलने के बाद अमेरिका चले गए नेत्रवलकर ने कभी नहीं सोचा था कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे, वह भी भारत के खिलाफ। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि वहां मैं कैसे प्रतिक्रिया दूंगा, लेकिन यह निश्चित रूप से भावनात्मक पल होगा। यह मेरे लिए एक फुल सर्कल जैसा है, क्योंकि मैंने क्रिकेट मुंबई में शुरू किया, फिर खेल छोड़ दिया, अमेरिका चला गया और कभी सोचा भी नहीं था कि दोबारा क्रिकेट खेलूंगा।' 34 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर-कम-क्रिकेटर ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान जैसी टीम को हराकर अमेरिका को सुपर-8 तक पहुंचाया था। मोनांक पटेलः भारत के खिलाफ करेंगे कप्तानी आनंद (गुजरात) में जन्मे मोनांक पटेल अमेरिका की कप्तानी करते हुए भारत के खिलाफ उतरेंगे। यह मुकाबला उनके लिए इसलिए भी खास होगा क्योंकि सामने उनके गुजरात अंडर-19 के साथी जसप्रीत बुमराह होंगे। मोनांक ने कहा, 'हमने रेड बॉल और व्हाइट बॉल दोनों क्रिकेट साथ खेला। तब भी हमें पता था कि जसप्रीत में एक्स-फैक्टर है और वह कुछ बड़ा करेगा।

ईशान किशन ने बल्लेबाजों में लगाई 32 स्थानों की छलांग यह पाकिस्तानी बना नंबर-एक ऑलराउंडर

दुबई। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले आईसीसी की ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कई अहम बदलाव देखने को मिले हैं। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और ऑलराउंडर, तीनों ही विभागों में खिलाड़ियों की छलांग ने टूर्नामेंट से पहले मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। भारत के स्टार बल्लेबाज ईशान किशन को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। वह आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में बल्लेबाजों में 32 स्थानों की छलांग लगाकर 32वें पायदान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज ईशान की कमबैक सीरीज थी और उसमें उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं, पाकिस्तान के सैम अयूब टी20 के नंबर एक ऑलराउंडर बन गए हैं। अयूब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन फॉर्म में दिखे हैं। कमबैक सीरीज में ईशान की तूफानी बल्लेबाजी ईशान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी की। वह चार मैचों में खेले और 8, 76, 28 और 103 रन की पारियां खेलीं। शीर्ष क्रम में उनके तूफानी फॉर्म की वजह से भारत ने टी20 विश्व कप से पहले अपनी आखिरी सीरीज में 4-1 से जीत हासिल की। टी20 के शीर्ष-10 बल्लेबाजों की रैंकिंग में हल्का फेरबदल हुआ है। अभिषेक शर्मा शीर्ष पर कायम हैं। उनके 917 रेटिंग अंक हैं, जो दूसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड के फिल सॉल्ट (834) से काफी ज्यादा हैं। बटलर-निसांका को भी हुआ रैंकिंग में फायदा वहीं, इंग्लैंड के जोस बटलर ने एक स्थान की छलांग लगाई और तीसरे स्थान पर पहुंच गए। श्रीलंका के ओपनर पथुम निसांका एक पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें और सूर्यकुमार यादव भी एक पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए। तिलक वर्मा को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज नहीं खेलने का नुकसान हुआ। वह एक स्थान के नुकसान के साथ तीसरे से चौथे पायदान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान दो स्थान के नुकसान के साथ सातवें स्थान पर पहुंचे। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट एक स्थान के फायदे के साथ नौवें और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श एक स्थान के नुकसान के साथ 10वें पायदान पर पहुंच गए। ट्रेविस हेड आठवें स्थान पर काबिज हैं। रिकेल्टन को शानदार फॉर्म का मिला इनाम टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में इस समय टॉप-11 के भीतर सात अलग-अलग देशों के खिलाड़ी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के रेयान रिकेल्टन 42 स्थानों की छलांग के साथ 40वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 16 स्थानों की छलांग के साथ 14वें स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक 15 पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 22वें स्थान पर पहुंच गए। सैम अयूब बने नंबर-1 ऑलराउंडर पाकिस्तान के युवा ओपनर सैम अयूब ने आईसीसी पुरुष टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में फिर से नंबर-एक स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने यह मुकाम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद पाया। पाकिस्तान ने इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का 3-0 से सूपड़ा साफ किया, जिसके बाद अयूब ने जिम्बाब्वे के अनुभवी सिकंदर रजा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर वापसी की। 23 वर्षीय सैम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 119 रन बनाए और तीन विकेट भी झटके। उनका यह ऑलराउंड योगदान टी20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले पाकिस्तान के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला साबित हुआ है।

विश्वकप की टीम से बाहर किए गए स्टीव स्मिथ पाकिस्तान सुपर लीग में खेलेंगे

सिडनी। एशेज में शानदार प्रदर्शन करने और सिडनी सिक्सर्स के साथ बिग बैश लीग (बीबीएल) में बेहतरीन सत्र के बावजूद स्मिथ को टी20 विश्व कप के लिए नजरअंदाज कर दिया गया, जो सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। शानदार फॉर्म के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए गए अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने का फैसला किया है और इसके लिए उन्होंने नई फ्रेंचाइजी सियालकोट स्टैलियन्ज के साथ करार किया है। एशेज में शानदार प्रदर्शन करने और सिडनी सिक्सर्स के साथ बिग बैश लीग (बीबीएल) में बेहतरीन सत्र के बावजूद स्मिथ को टी20 विश्व कप के लिए नजरअंदाज कर दिया गया, जो सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। स्मिथ 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में भाग लेना चाहते हैं जहां क्रिकेट की टी20 प्रारूप में वापसी होगी। इसलिए यह 36 वर्षीय खिलाड़ी टी20 प्रारूप की राष्ट्रीय टीम में वापसी करने के लिए बेताब है।क्रिकेट डॉट कॉम एयू की एक रिपोर्ट के अनुसार स्मिथ पहले खिलाड़ी हैं जिनके साथ सियालकोट स्टैलियन्ज ने अनुबंध किया है। स्टैलियन्ज ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को अपना कोच नियुक्त किया है, जबकि पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी पीएसएल की एक और नई फ्रेंचाइजी हैदराबाद किंग्समेन की टीम के मुख्य कोच का पद संभालेंगे।

12 फरवरी के बाद अपने फैसले पर यू-टर्न लेंगे नकवी? क्या मैच के बहिष्कार का बांग्लादेश चुनाव से है कनेक्शन

कराची। पाकिस्तान ने भले ही भारत के खिलाफ विश्व कप का मैच नहीं खेलने का फैसला किया है, लेकिन ऐसी अटकलें भी चल रही हैं वह अपना यह फैसला बदल सकता है। आइए जानते हैं कि किन कारणों की वजह से ऐसी चर्चा शुरू हुई है और पाकिस्तान के फैसले का बांग्लादेश चुनाव से क्या लेना देना है।पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण का मैच खेलने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है क्योंकि आईसीसी ने इस फैसले पर नाराजगी जताई है। भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में मुकाबला खेला जाना है। दोनों ही टीमें ग्रुप ए में शामिल हैं, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने इस मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है। पाकिस्तान की घबराहट की पूरी कहानीः भारत से हारने का डर, इसलिए बॉयकॉट का बहाना? मैच से पहले ही ढअङ का गेम ओवर! पाकिस्तान ने नहीं बताया कारण पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने का कोई कारण नहीं बताया है। यहां तक कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आधिकारिक तौर पर आईसीसी को इस बारे में सूचित भी नहीं किया है। अब ऐसे संकेत भी मिल रहे हैं कि पाकिस्तान इस फैसले पर यू-टर्न भी ले सकता है। क्या पाकिस्तान के इस ड्रामे के पीछे बांग्लादेश में होने वाले आम चुनाव भी एक कारण है? दरअसल, बांग्लादेश में 12 फरवरी को चुनाव होने हैं। अभी वहां मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी जो पीसीबी के प्रमुख भी हैं, वह यूनुस सरकार की जगह लोकतांत्रिक सरकार बनने के बाद अपना फैसला बदल सकते हैं। एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, नकवी एक क्रिकेट प्रशासक से ज्यादा नेता हैं और उन्हें राष्ट्रीय टीम के हितों की खास चिंता नहीं है।

दिल्ली कैपिटल्स लगातार चौथी बार डब्ल्यूपीएल के फाइनल में, गुजरात को सात विकेट से हराया

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुजरात जाएंट्स को सात विकेट से हराया। जेमिमा रॉड्रिग्स की अगुआई वाली टीम डब्ल्यूपीएल के फाइनल में पहुंच गई है। डब्ल्यूपीएल के मौजूदा सत्र का खिताबी मुकाबला आरसीबी और दिल्ली के बीच पांच फरवरी को खेला जाएगा। दिल्ली कैपिटल्स ने एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात जाएंट्स को हराकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गुजरात जाएंट्स ने बेथ मूनी के नाबाद अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 168 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 169 रन बनाकर सात विकेट से जीत दर्ज की। यह लगातार चौथी बार है जब दिल्ली की टीम खिताबी मुकाबले में पहुंची है। अब उसका सामना फाइनल में पांच फरवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। दिल्ली ने अब तक कभी डब्ल्यूपीएल का खिताब नहीं जीता है और उसके पास अपनी पहली ट्रॉफी जीतने का अवसर होगा। शेफाली-लिजेली ने दिलाई मजबूत शुरूआत लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली वर्मा और लिजेली ली ने दिल्ली कैपिटल्स को मजबूत शुरूआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी की और पहले विकेट के लिए 89 रन जोड़े। इस साझेदारी को जॉर्जिया वारेहम ने लिजेली को आउट कर तोड़ा। लिजेली 24 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुईं। इसके तुरंत ही बाद जॉर्जिया ने शेफाली को बोल्ड कर पवेलियन भेजा। शेफाली ने 21 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 31 रन बनाए। वोलवार्ट-जेमिमा चमकीं दो झटके लगने के बाद लाउरा वोलवार्ट और कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स ने पारी आगे बढ़ाई। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों पर 68 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, दिल्ली जीत दर्ज कर पाती उससे पहले ही राजेश्वरी गायकवाड़ ने जेमिमा को पवेलियन भेजा। जेमिमा 23 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुईं।

क्या टीम इंडिया टी20 विश्वकप जीत पाएगी चैंपियन कप्तान धोनी ने रखी राय इससे सावधानी बरतने को कहा

नई दिल्ली । महेंद्र सिंह धोनी के मुताबिक, टीम इंडिया टी20 विश्व कप 2026 जीतने की पूरी क्षमता रखती है। अनुभव, भूमिका की स्पष्टता और शानदार फॉर्म भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। हालांकि, ओस और टॉस जैसे बाहरी कारक भारत की राह मुश्किल कर सकते हैं। अगर टीम इन चुनौतियों को संभाल पाई, तो इतिहास रचना तय है। भारत को 2007 में टी20 विश्व कप के पहले संस्करण में ट्रॉफी जिताने वाले पूर्व कप्तान एमएस धोनी को भरोसा है कि टीम इंडिया आगामी टी20 विश्व कप में अपने खिताब के बचाव में सफल रहेगी। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में जतिन सप्रू के साथ बातचीत करते हुए धोनी ने कहा कि सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट की सबसे कम्प्लीट और शक्तिशाली टीम है। उनके मुताबिक, भारत के पास खिताब बचाने के लिए हर जरूरी संसाधन मौजूद है। धोनी ने टीम की ताकत पर बात करते हुए कहा, 'टीम इंडिया टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक है। एक अच्छी टीम के लिए जो कुछ चाहिए, वह सब इस टीम के पास मौजूद है।' अनुभव और रोल क्लैरिटी बनी ताकत धोनी का मानना है कि खिलाड़ियों का अनुभव और उनकी भूमिका की स्पष्टता इस भारतीय टीम को बाकी टीमों से अलग बनाता है। टी20 जैसे छोटे फॉर्मेट में कई मौकों पर दबाव की स्थिति बनती है और बार-बार मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। ऐसे में अनुभवी खिलाड़ी ही टीम को संभाल पाते हैं। उन्होंने कहा, 'इस टीम के पास अनुभव है। खासकर इस फॉर्मेट में खिलाड़ियों ने लंबे समय तक दबाव में खेला है। हर खिलाड़ी अपनी भूमिका को अच्छे से जानता है और पहले भी ऐसी परिस्थितियों का सामना कर चुका है।' धोनी की चेतावनीः ओस से बचें जहां एक ओर धोनी ने भारत को खिताब का प्रबल दावेदार बताया, वहीं उन्होंने एक अहम चेतावनी भी दी। उनके मुताबिक, ओस (ड्यू) ऐसा फैक्टर है जो किसी भी मैच का रुख पलट सकता है। धोनी ने साफ कहा, 'जो चीज मुझे परेशान करती है, वह है ओस। मुझे ओस बिल्कुल पसंद नहीं है। यह खेल में बहुत कुछ बदल देती है। मेरे खेलने के समय में भी ओस सबसे डराने वाली चीजों में से एक थी, क्योंकि फिर टॉस बेहद अहम हो जाता है।' न्यूट्रल कंडीशंस में भारत का दबदबा धोनी का मानना है कि अगर परिस्थितियां संतुलित रहीं, तो भारत ज्यादातर मुकाबलों में विजेता बनकर उभरेगा।

बाइक से साइकिल टच होने पर किसान नेता की हत्या, 2 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। मोहनलालगंज में बाइक से साइकिल टच हो जाने के मामूली विवाद में किसान नेता की हत्या कर दी गई। पुलिस ने 24 घंटे में हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी 2 युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने शराब के नशे में ईंट और लात-घूंसों से पीट-पीटकर हत्या करने की बात कबूली है। एडीसीपी साउथ रल्ला पल्ली बसंथ कुमार ने बताया सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मोहन कटरा बक्कास गांव के रहने वाले सुशील और बुद्धखेड़ा गांव के रहने वाले दीपक कुमार को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। दोनों रिश्ते में मौसेरे भाई हैं और हत्या करने के बाद घर में जाकर सो गए थे। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मुल्ला खेड़ा गांव के पास मंगलवार सुबह सड़क किनारे किसान नेता का शव पड़ा मिला था। मृतक की पहचान ग्राम चौरासी निवासी संतराम (40) पुत्र दुलारे रावत के रूप में हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच में शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिले थे। मृतक के भाई मस्तराम की लिखित तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस पूछताछ में सुशील-दीपक ने बताया कि 2 फरवरी की रात ज्यादा शराब पी रखी थी।

47 की शमिता शेट्टी को मिला नया प्यार? इस टेक्नो म्यूजिक आर्टिस्ट के साथ हो रहे अफेयर के चर्चे

एक्ट्रेस शमिता शेट्टी एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। लगता है 47 की एक्ट्रेस को फिर से नया प्यार मिल गया है। इस बार उनका नाम टेक्नो म्यूजिक आर्टिस्ट दीपेश शर्मा के साथ जुड़ा है, जिनके एक खास बर्थडे पोस्ट ने दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। सोशल मीडिया पर दीपेश के दिल छू लेने वाले मैसेज के बाद फैंस कयास लगाने लगे हैं कि क्या शमिता को एक बार फिर प्यार मिल गया है। दीपेश शर्मा ने शमिता शेट्टी के जन्मदिन के मौके पर उनके साथ कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में शमिता की बहन शिल्पा शेट्टी भी नजर आईं। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान खींचा दीपेश के कैप्शन ने, जिसमें उन्होंने लिखा, ह्लमेरी हमेशा की हंसी की वजह को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। जो मेरी सारी कहानियां जानती है और फिर भी मेरे साथ रहती है। लव यू, मेरी शैम्स्टर ह्लइस प्यार भरे मैसेज ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। फैंस इसे सिर्फ दोस्ती से कहीं ज्यादा मान रहे हैं। शमिता ने भी इस पोस्ट पर ह्लूह्ल लिखते हुए रेड हार्ट इमोजी शेयर की, जिससे अटकलों को और हवा मिल गई। हालांकि, अब तक शमिता या दीपेश में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि दोनों डेट कर रहे हैं या सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। इन नए रिलेशनशिप रूमर्स से पहले शमिता शेट्टी का नाम टीवी एक्टर राकेश बापट से जुड़ा था। दोनों की मुलाकात बिग बॉस व्ज्ञ के घर में हुई थी और वहीं से इनकी लव स्टोरी शुरू हुई। लेकिन जुलाई 2022 में दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद शमिता बिग बॉस 15 में नजर आईं, जहां कुछ हफ्तों बाद राकेश बापट भी बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए थे। 2023 में भी शमिता का नाम एक बार फिर चर्चा में आया, जब एक पार्टी के बाहर आमिर अली के साथ उनका वीडियो वायरल हुआ, जिसमें आमिर उन्हें गाल पर किस करते नजर आए। हालांकि, दोनों ने बाद में साफ किया कि वे सिर्फ दोस्त हैं और उनके बीच कुछ भी रोमांटिक नहीं है। अपने करियर के शुरूआती दौर से ही शमिता शेट्टी का नाम कई सेलेब्रिटीज के साथ जोड़ा जाता रहा है। मोहब्बतें से डेब्यू के बाद उनका नाम उदय चोपड़ा के साथ चर्चा में रहा। इसके अलावा 2012 के आसपास हरमन बावेजा, और बाद में युवराज सिंह व आफताब शिवदासानी के साथ भी उनके अफेयर की अफवाहें उड़ीं। हालांकि, इन सभी रिश्तों को लेकर कभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई और अधिकतर खबरें महज गॉसिप बनकर रह गईं।

राम चरण की पेद्दी की रिलीज डेट आई सामने, नए पोस्टर ने बढ़ाया उत्साह; इस दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अभिनेता राम चरण हाल ही में जुड़वां बच्चों के पिता बने हैं। पिछले महीने की आखिरी तारीख को ही उनकी पत्नी उपासना ने जुड़वां बच्चों- बेटा और बेटी को जन्म दिया है। इस बीच अब राम चरण के फैंस के लिए एक और खुशखबरी आई है। राम चरण की आगामी फिल्म पेद्दी की रिलीज डीट की घोषणा कर दी गई है। जानिए कब सिनेमाघरों में रिलीज होगी पेद्दी?

30 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म

जब से राम चरण की फिल्म पेड्डी का ऐलान हुआ है, तब से

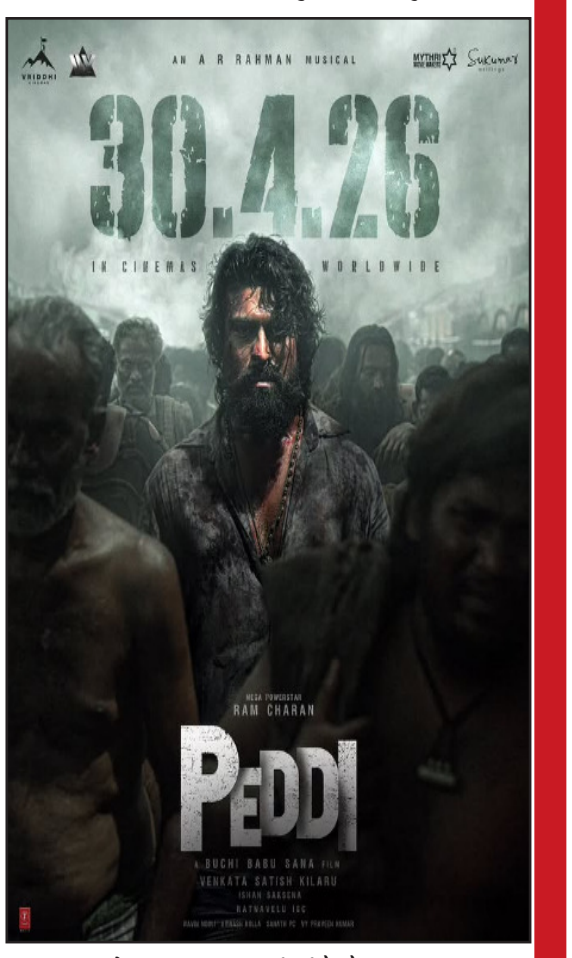

यह लगातार सोशल मीडिया पर छाई हुई है। फैंस फिल्म की हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब आज मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है। मेकर्स की ओर से आज पेद्दी का एक नया पोस्टर जारी किया गया। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी गई है। मेकर्स ने पोस्टर जारी करके बताया कि पेद्दी 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके बाद अब फैंस फिल्म के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

रफ-टफ लुक में नजर आए राम चरण

मेकर्स की ओर से जो नया पोस्टर रिलीज किया गया है, उसमें राम चारण कई लोगों के बीच खड़े हुए हैं। नए पोस्टर में राम चरण लंबे बालों, बड़ी दाढ़ी, खून से सने चेहरे और धूल में लिपटे रफ-टफ अवतार में नजर आ रहे हैं। भीड़ के बीच खड़े राम चरण की दमदार मौजूदगी एक पावरफुल, मास अपील वाले किरदार की ओर इशारा करती है। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, उसके आने की तारीख बदल सकती है, लेकिन उसकी जबरदस्त ताकत और जज्बा नहीं। पेड्डी 30 अप्रैल 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।

बुची बाबू सना ने किया है निर्देशन

बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित पेड्डी को इस साल की बड़ी पैन इंडिया फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

ईथा के लिए रणदीप हुड्डा ने बढ़ाया वजन, एक्टर का दमदार ट्रांसफॉर्मेशन देख फैंस हुए सरप्राइज

बॉलीवुड स्टार रणदीप हुड्डा जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म ईथा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अपने दमदार किरदार की छाप छोड़ने के लिए वे खूब मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म के लिए रणदीप हुड्डा ने वजन बढ़ाया है और दमदार बॉडी बनाई है। सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीर शेयर कर उन्होंने अपनी फिटनेस से तहलका मचा दिया है। रणदीप हुड्डा ने जिम से एक मिरर सेल्फी शेयर की है, जिसमें उनका वजन बढ़ा हुआ और सॉलिड बॉडी देखने को मिल रही है। हाल ही में अपने नए मूंछों वाले लुक को लेकर चर्चा में रहे रणदीप अब इस नई शर्टलेस तस्वीर में अपनी जबरदस्त बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन दिखाते नजर आए। यह लुक उनकी आने वाली फिल्म ईथा के लिए है, जिसकी शूटिंग इस वक्त मुंबई में चल रही है। तस्वीर सोशल मीडिया पर आते ही कमेंट सेक्शन में फैंस के कमेंट्स की भरमार हो गई। एक फैन ने लिखा, ह्लभाई, वजन बढ़ाना और घटाना कोई आपसे सीखे !ह्ल तो किसी ने उन्हें सीधा ह्लहॉटेस्टह्ल कह दिया। बता दें, रणदीप हुड्डा की आगामी फिल्म ईथा मैडॉक फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की जा रही है और इसका निर्देशन लक्ष्मीकांत उतेकर कर रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया, ह्लरणदीप अपने काम को लेकर हमेशा बेहद गंभीर रहते हैं। किसी किरदार के लिए अगर खास लुक या बॉडी की जरूरत होती है, तो वह पूरी तरह उसमें डूब जाते हैं। ईथा के लिए भी वह अपनी ताकत बढ़ाने और बॉडी को और भारी बनाने पर पूरा ध्यान दे रहे हैं।

स्ट्रॉन्ग वुमन, स्ट्रॉन्ग स्टोरी, गांधारी में तापसी-कनिका का अगला धमाका

समकालीन सिनेमा की भाषा को नए सिरे से परिभाषित करने वाली लगातार हिट फिल्मों के बाद, कनिका ढिल्लों और तापसी पन्नू की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर आग लगाने को तैयार है। हसीन दिलरुबा फ्रेंचाइजी की जबरदस्त सफलता के बाद, अभिनेता तापसी पन्नू और लेखिका-निमार्ता कनिका ढिल्लों अपनी अगली बड़ी साझेदारी गांधारी के साथ लौट रही हैंद्यजो इस बार उन्हें एक दमदार और इंटेंस एक्शन की दुनिया में ले जाती है ।गांधारी इस क्रिएटिव पार्टनरशिप की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इससे पहले यह जोड़ी मनमरजियाँ, हसीन दिलरुबा, फिर आई हसीन दिलरुबा और रश्मि रॉकेट जैसी कल्ट फेवरेट और क्रिटिकली सराही गई फिल्मों के जरिए दर्शकों के दिल जीत चुकी है। कनिका ढिल्लों के लिए गांधारी बेहद खास है, क्योंकि यह उनके प्रोडक्शन बैनर ज़ंजीीं च्पबजनतमे की दूसरी फिल्म है। उनकी डेब्यू प्रोडक्शन दो पट्टी जो नेटफ्लिक्स की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में शामिल रही, शानदार सफलता के बाद, कनिका लगातार महिला-केंद्रित, साहसी और दमदार कहानियों को आगे बढ़ा रही हैं। गांधारी के साथ वह मनोवैज्ञानिक रहस्य से आगे बढ़ते हुए एक हाई-इंटेंसिटी रिवेंज एक्शन ड्रामा की ओर कदम रखती हैं। अपने हालिया किरदारों से हटकर, तापसी पन्नू ने गांधारी के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। एक ह्लरिवेंज एक्शन-थ्रिलरह्ल के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म एक मां और उसके बच्चे के बीच के गहरे, सुरक्षात्मक रिश्ते को बेहद उग्र और भावनात्मक अंदाज में दर्शाती है ह्लतापसी और मेरे बीच हमेशा से एक ऐसा क्रिएटिव तालमेल रहा है, जो हमें सीमाएं तोड़ने की आजादी देता है। गांधारी में हम सिर्फ एक कहानी नहीं कह रहे हैं, बल्कि एक मां के प्यार की उग्रता को ऐसे एक्शन के जरिए दिखा रहे हैं, जो हमारी पिछली फिल्मों से बिल्कुल अलग है ।ह्लदेवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित गांधारी, नेटफ्लिक्स पर एक बड़े ग्लोबल रिलीज के लिए तैयार है। हाई-ऑक्टेन एक्शन और गहरे इमोशनल स्टेक्स के साथ, यह फिल्म दर्शकों को एक दमदार और अलग सिनेमैटिक अनुभव देने का वादा करती है।

उन्नी मुकुंदन की मां वंदे का पहला शेड्यूल पूरा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आधारित है फिल्म

फिल्म मां वंदे में एक्टर उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में इसका पहला शेड्यूल हैदराबाद में पूरा कर लिया गया है। मेकर्स

ने सोशल मीडिया पर सेट से बिहाइंड द सीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें इस बड़े और महत्वाकांक्षी बायोग्राफिकल ड्रामा की पहली झलक देखने को मिलती है। सामने आई बीटीएस तस्वीरों में सेट के दिलचस्प पल कैद हैं, जहां निर्देशक क्रांति कुमार सी. एच. उन्नी मुकुंदन के साथ नजर आ रहे हैं। मालूम हो, हैदराबाद शेड्यूल की शुरूआत शुभ मुहूर्त में पारंपरिक पूजा के साथ हुई थी, जिसके बाद फिल्म के कई अहम सीन शूट किए गए। इस चरण के पूरा होते ही अब टीम अगले शेड्यूल के लिए कश्मीर का रुख करने वाली है। बता दें, मां वंदे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित एक बायोग्राफिकल ड्रामा है। इस प्रोजेक्ट का ऐलान सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर किया गया था और इसे इंटरनेशनल प्रोडक्शन स्टैंडर्ड्स और मजबूत तकनीकी स्तर के साथ भव्य पैमाने पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म का निर्माण वीर रेड्डी एम. ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्देशन क्रांति कुमार सी. एच. ने संभाला है।

धनुष मेरे लिए भाई की तरह शादी की खबरों के बीच मृणाल का बड़ा बयान

मृणाल ठाकुर और धनुष की शादी की खबरें इन दिनों काफी चचाओं में हैं। अब मृणाल ने इन पर प्रतिक्रियाएं दी हैं। जानिए अभिनेत्री ने क्या कुछ कहा

इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चचाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा है कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। अब धनुष के साथ शादी की खबरों पर मृणाल ठाकुर की ओर से प्रतिक्रिया आई है।

धनुष मेरे लिए भाई समान

सोशल मीडिया पर मृणाल ठाकुर का एक लंबा-चौड़ा स्टेटमेंट वायरल हो रहा है। इसको अभिनेत्री के फैन पेज पर शेयर किया गया, इसके बाद ये वायरल है। इस स्टेटमेंट में मृणाल ठाकुर के हवाले से कहा गया है, मैंने हमेशा यही माना है कि मेरा काम मेरी पहचान बने, न कि गपशप। फिर भी आज मैं खुद को ऐसी कहानियों से जुड़ा हुआ पाती हूं जो मैंने कभी नहीं लिखीं, ऐसी बातचीत जो मैंने कभी नहीं कीं और ऐसे फैसले जो मैंने कभी नहीं लिए।

अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं

अभिनेत्री की ओर से इस स्टेटमेंट में आगे कहा गया, मैं चुप रहना इसलिए नहीं चुनती क्योंकि मुझे कुछ छिपाना है। बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि मेरे निजी जीवन को सार्वजनिक मंजूरी की जरूरत नहीं है। मैंने ऑडिशन, अस्वीकृति, लंबी रातों और अटूट आत्मविश्वास के दम पर आज इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है।

उस सफर को अफवाह तक सीमित करना गलत है। सोशल मीडिया हर किसी को अपनी बात कहने का मौका देता है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी मांगता है। कुछ क्लिक, लाइक और शेयर भले ही नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन वे ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जो असल लोगों को प्रभावित करती हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहती हूं, इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।

फेक है सोशल मीडिया पर वायरल बयान

सोशल मीडिया पर वायरल मृणाल ठाकुर का ये स्टेटमेंट उनके किसी ऑफिशियल पेज पर नहीं है। न तो इंस्टाग्राम पर मौजूद है और न ही एक्स पर। यही नहीं इस बयान को लेकर मृणाल ठाकुर की टीम की ओर से भी ये स्पष्ट किया गया कि अभिनेत्री ने ऐसा कोई स्टेटमेंट नहीं दिया है। ये पूरी तरह से फेक है। जिससे ये स्पष्ट होता है कि धनुष को भाई बताने वाला मृणाल ठाकुर का ये बयान असली नहीं है, बल्कि सिर्फ फेक है। ये बयान मृणाल या उनकी टीम की ओर से नहीं दिया गया है।

शादी की खबरों को खारिज कर चुकी हैं मृणाल

हालांकि, मृणाल ठाकुर 14 फरवरी को अपनी शादी की खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। वो कई बार इन खबरों को सिर्फ अफवाह बता चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में भी जब मृणाल से धनुष के साथ शादी की खबरों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि अरे मुझे तो इनवाइट ही नहीं किया गया। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर वेडिंग डेट भी आ गई है। वो कहती हैं कि आ गई? मुझे किसी ने इनवाइट ही नहीं किया। मुझे भी बुला लेते।

डीएम की मदद से दिव्यांग महिला को मिली ई-स्कूटी,बच्चे का स्कूल में एडमिशन हुआ

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में दिव्यांग महिला को प्रशासन के सहयोग से इलेक्ट्रिक 3-व्हील स्कूटी दी गई है। महिला ने 29 जनवरी 2026 को जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी विशाखा को प्रार्थना पत्र देकर मदद मांगी थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर आज, 4 फरवरी को जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय की ओर से उन्हें स्कूटी सौंपी गई। उनके 6 साल के बेटे का स्कूल में एडमिशन भी कराया गया। पारा निवासी दिव्यांग खुशबू चलने-फिरने में असमर्थ हैं। घर से बाहर निकलना, रोजमर्रा के काम करना और अपने 6 साल के बेटे को साथ लेकर आना-जाना उनके लिए बेहद मुश्किल हो रहा था। उन्होंने अपनी समस्या प्रशासन तक पहुंचाने का फैसला किया। 29 जनवरी 2026 को जनता दर्शन के दौरान खुशबू ने जिलाधिकारी, लखनऊ को प्रार्थना पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि बिना किसी सहारे के आने-जाने में काफी दिक्कत होती है। उन्हें इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर या ई-स्कूटी की जरूरत है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। अपने बच्चे की देखभाल कर सकें। इस पर जिलाधिकारी ने मामले में जिला दिव्यांगजन अधिकारी शशांक सिंह को उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। इस पर शशांक सिंह ने खुशबू की समस्या के समाधान की प्रक्रिया शुरू कराई। प्रशासनिक सहयोग से उनके बेटे का स्कूल में दाखिला कराया। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से फिलहाल ई-स्कूटी या ई-वाहन की कोई शासकीय योजना संचालित नहीं है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि खुशबू को कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी यानी ैब के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराई जाए।

रूस को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बात पर यकीन नहीं

भारत से तेल खरीद रोकने के संबंध में कोई संदेश नहीं मिला है: पेस्कोव

एजेंसी। मॉस्को

रूस को तेल खरीद रोकने के संबंध में भारत से कोई संदेश नहीं मिला है। रूसी सत्ता के केंद्र 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को यह बात कही।

उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस से तेल खरीदना बंद करने और अमेरिका तथा संभवतः वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदने पर सहमत हो गए हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता पेस्कोव ने कहा, हमें इस मामले पर नयी दिल्ली से अभी तक कोई संदेश नहीं मिला है। रूसी मीडिया की खबरों के अनुसार, 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि रूस हर संभव तरीके से भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना जारी रखने का इरादा रखता है। रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने कहा कि सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि रूस को भारत द्वारा रूसी तेल को अस्वीकार करने की संभावना के संबंध में केवल अमेरिका की ओर से सार्वजनिक बयान ही देखने को मिले हैं। मंत्रिमंडल में ऊर्जा विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे नोवाक ने कहा, अभी तो सिर्फ सार्वजनिक बयान ही सामने आए हैं। देखते हैं आगे क्या हालात बनते हैं। उन्होंने कहा कि रूस को भरोसा है कि उसके ऊर्जा संसाधनों की वैश्विक स्तर पर मांग बनी रहेगी, क्योंकि वे आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन बनाए रखते हैं। नोवाक ने कहा,कुल मिलाकर, हमारे ऊर्जा संसाधनों की मांग बनी हुई है। आपूर्ति हमेशा मांग के अनुरूप बनी रहेगी क्योंकि संतुलन कायम है। रूस के ऊर्जा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि उन्हें भारतीय रिफाइनरी कंपनियों से अनुबंध रद्द करने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है। सोमवार को मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत अमेरिका जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा।

चाइल्ड पोर्न व डीपफेक जांच के संबंध में 'एक्स' के कार्यालयों पर छापेमारी

पेरिस। पेरिस के अभियोजकों ने बाल यौन सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) और डीपफेक सहित कई कथित अपराधों की शुरुआती जांच के तहत एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के फ्रांस स्थित कार्यालयों पर मंगलवार को छापेमारी की। इस संबंध में जारी बयान में कहा गया कि पिछले साल जनवरी में अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई ने जांच शुरू की थी। यह इकाई बच्चों को बंधक बनाने और उनकी अश्लील तस्वीरें फैलाने, इससे संबंधित डीपफेक, मानवता के खिलाफ अपराधों और एक संगठित समूह के हिस्से के तौर पर ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम में हेरफेर तथा दूसरे अपराधों में कथित मिलीभगत की जांच कर रही है। बयान के अनुसार, अभियोजकों ने एलन मस्क और 'एक्स' की 2023 से 2025 तक मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) रहीं लिंडा याकारिनो से स्वैच्छिक पूछताछ के लिए अनुरोध किया है, जिसके लिए 20 अप्रैल की तारीख निर्धारित है।

ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित लोगों के लिए मानसिक सेहत के 5 उपाय

लखनऊ । वर्ल्ड कैंसर डे हमें याद दिलाता है कि कैंसर की देखभाल सिर्फ शरीर के इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि मन को सहारा देना भी उतना ही जरूरी है। भारत में ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में सबसे आम है। जब शुरूआती ब्रेस्ट कैंसर का पता चलता है, तो महिलाओं को इलाज के फैसलों के साथ-साथ भावनात्मक अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। इसमें बीमारी के दोबारा होने (रेकरेंस) का डर और जीवन की गुणवत्ता पर पड़ने वाला असर शामिल है। डॉ. अभिषेक पाठक (सीनियर कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजी, अपोलोमेडिक्स, लखनऊ) कहते हैं, ३ब्रेस्ट कैंसर का इलाज मरीजों पर शारीरिक और भावनात्मक बोझ डाल सकता है।चाहे वह बार-बार अस्पताल जाने की जरूरत हो या सर्जरी और बाल झड़ने जैसे शारीरिक बदलाव हों। ऐसी चुनौतियां बीमारी दोबारा होने के डर को बढ़ाती हैं और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं। आधुनिक थेरेपी अब कुछ तनावों को कम कर रही हैं, जिससे भावनात्मक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर बेहतर ध्यान दिया जा सकता है। साथ ही, थेरेपी सेशन, पेशेंट नेटवर्क और माइंडफुलनेस जैसे तरीके मरीजों को इस स्थिति का सामना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बिहार सरकार ने पेश किया 3.47 लाख करोड़ रुपये का बजट

एजेंसी। पटना

बिहार में नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.47 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया और दावा किया कि राज्य तेजी से प्रगति कर रहा है तथा चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 14.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने केंद्र की ओर से बिहार को मिली ३उदार सहायता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की, जो समावेशी विकास हासिल करने पर केंद्रित है। मंत्री ने सदन को बताया, वर्ष 2026-27 के लिए बजट का आकार 3,47,589.78 करोड़ रुपये है, जो 2025-26 के 3,16,895.02 करोड़ रुपये की तुलना में 30,694.74 करोड़ रुपये अधिक है। राजकोषीय घाटा लगभग 39,400 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.99 प्रतिशत है। यादव ने कहा,इस सदन की ओर से मैं प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद करना चाहता हूं, जिनके नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। पिछले वर्ष के केंद्रीय बजट में बिहार को कई सौगातें मिलीं, जिनमें नए हवाई अड्डे, मखाना बोर्ड और अन्य खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां शामिल हैं। राज्य सबसे तेज़ी से विकसित होने वाले राज्यों में रहा है और 2024-25 में इसकी वृद्धि दर लगभग 14.9 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। हमें आशा है कि शीघ्र ही हम देश के शीर्ष राज्यों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर संकेत करते हुए जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता ने पार्टी अध्यक्ष को ईमान, ज्ञान, विज्ञान, अरमान और सम्मान—इन पांच तत्वों—का प्रतीक बताया, जो ३विकसित बिहार की दिशा में समावेशी प्रगति और न्याय के साथ विकास सुनिश्चित कर रहे हैं। मंत्री ने महिला सशक्तीकरण पर मुख्यमंत्री के विशेष जोर की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हाल में शुरू की गई मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना इसका ताजा उदाहरण है, जिसे पिछले नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों से पहले लागू किया गया था।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक सर्विसेज फंड, सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ का मिलेगा फायदा

मुंबई। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (केएमएएमसी/ कोटक म्यूचुअल फंड) ने कोटक सर्विसेज फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो सर्विस सेक्टर पर आधारित है।यह नया फंड ऑफर (एनएफओ) 4 फरवरी से 18 फरवरी तक खुला रहेगा। इसके जरिए निवेशकों को भारत के मुख्य ग्रोथ इंजन यानी सर्विस सेक्टर में निवेश करने का मौका मिलेगा। सर्विस सेक्टर भारत की कुल अर्थव्यवस्था (ग्रॉस वैल्यू एडेड) में लगभग 55 प्रतिशत योगदान देता है और देश की 31.5 प्रतिशत आबादी को रोजगार देता है। कंज्यूमर सर्विसेज, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, पावर और ऑयल एंड गैस जैसे कई सेक्टर तेजी से बढ़ रहे हैं। इससे भारत की सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है और लंबे समय के निवेशकों के लिए कई नए विकास के मौके पैदा कर रही है। यह फंड सभी तरह की कंपनियों में निवेश करेगा (स्मॉल कैप, मिड कैप और लार्ज कैप कंपनियां), खासतौर पर उन अच्छी क्वालिटी के बिजनेस में जिनका कैश फ्लो मजबूत हो, बिजनेस मॉडल बढ़ाया जा सके, और जिनमें लंबे समय तक अच्छा रिटर्न देने की क्षमता हो। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, निलेश शाह ने कहा कि,भारत की सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव हो रहा है। यह बदलाव लोगों की बढ़ती आमदनी, डिजिटल तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल और शहरों के तेजी से बढ़ने की वजह से आ रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का शेयर बाजार ने मनाया जश्न

सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल से निवेशकों की चांदी

एजेंसी। मुंबई

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने की घोषणा से उत्साहित घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को जबर्दस्त उछाल दर्ज हुआ। मानक सूचकांक सेंसेक्स 2,073 अंक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 639 अंक की छलांग लगाई। व्यापार समझौते के तहत अमेरिका भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमत हो गया है।

इसके अलावा रूसी तेल खरीद जारी रखने पर अमेरिका ने 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी लगाया था। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स कारोबारी सत्र की शुरुआत के बाद 4,205.27 अंक यानी 5.14 प्रतिशत उछलकर 85,871.73 अंक के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली होने से यह 2,072.67 अंक यानी 2.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,739.13 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 639.15 अंक यानी 2.55 प्रतिशत चढ़कर 25,727.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान

एक समय यह 1,252.80 अंक यानी 4.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,341.20 अंक तक पहुंच गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार रात को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत के बाद कहा था कि भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाएगा। हालांकि, अभी समझौते का विवरण सामने नहीं आया है। सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 9.12 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, पावर ग्रिड, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज भी प्रमुख लाभ में रहीं। हालांकि, तेजी के इस दौर में टेक महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। व्यापार समझौते की खबर से वस्त्र, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, समुद्री खाद्य निर्यात और विशेष उपयोग वाले रसायन क्षेत्रों से जुड़े शेयरों में तेज उछाल देखा गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और रुपये में मजबूती से विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) के प्रवाह की उम्मीद बढ़ी है। अमेरिकी शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से उभरते बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धी स्थिति मजबूत हुई है और निर्यातोन्मुख क्षेत्रों के लिए परिदृश्य बेहतर हुआ है। ऑनलाइन ट्रेडिंग फर्म एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर. ने कहा,भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा और भारतीय निर्यात पर शुल्क कटौती से भारतीय शेयर बाजार ने हाल के समय की सबसे बड़ी एकदिवसीय बढ़त दर्ज की। खासकर निर्यात-उन्मुख एवं जिंसों से जुड़े क्षेत्रों की अगुवाई में बाजार का दायरा बेहद सकारात्मक रहा।

रुपया 122 पैसे की छलांग के साथ 90.27 प्रति डॉलर पर

मुंबई। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने के बाद भारतीय रुपया मंगलवार को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्रा के रूप में उभरा, जिसने एक कारोबारी सत्र में 122 पैसे या 1.33 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। अंत में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.27 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते होने के बाद भारतीय रुपया ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और इसमें लगभग 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। घरेलू शेयर बाजार में भी लगभग 2.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी और अपेक्षित विदेशी प्रवाह ने भी निवेशकों की धारणा को बढ़ावा दिया। भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं। इसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा, जो चीन, बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों की तुलना में कम है।

स्कोडा काइलाक ने एक वर्ष पूरा होने पर 50,000 बिक्री का आंकड़ा किया पार

मुंबई। 2025 में अब तक का सबसे सफल बिक्री वर्ष दर्ज करने और नई काइलाक लॉन्च करने के बाद, स्कोडा ऑटो इंडिया अपने बढ़ते प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। ब्रांड ने अपनी बेस्ट-सेलिंग कार काइलाक के वेरिएंट्स बढ़ाकर भारतीय सड़कों पर यूरोपीय तकनीक को और अधिक सुलभ बनाने की अपनी रणनीति को आगे बढ़ाया है, जिससे ग्राहकों को ज्यादा विकल्प और बेहतर वैल्यू मिलती है।काइलाक भारत में स्कोडा ऑटो की ग्रोथ स्टोरी का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरी है। लॉन्च के बाद से 50,000 से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ, काइलाक ने ब्रांड के भारत में 25वें वर्ष में स्कोडा ऑटो इंडिया के अब तक के सर्वश्रेष्ठ बिक्री प्रदर्शन में अहम योगदान दिया है। काइलाक में सुरक्षा, ड्राइविंग डायनेमिक्स, तकनीक और वैल्यू का मेल ग्राहकों को बेहद पसंद आया है, जिससे यह सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बन गई है।काइलाक की पहली वर्षगांठ पर प्रतिक्रिया देते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा, काइलाक भारत के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है और इसने हमें बाजार के सबसे प्रतिस्पर्धी सेगमेंट में प्रवेश करने का अवसर दिया। 50,000 बिक्री का आंकड़ा पार करना वास्तव में खुशनुमा है और स्कोडा ब्रांड पर बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस गति को बनाए रखने के लिए, हम ग्राहक-केंद्रित सुधारों के साथ काइलाक लाइन-अप का विस्तार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार के सदस्य संजीव सान्याल बोले-

मजबूत राष्ट्रीय वृद्धि के बाद भी पूर्वी भारत पिछड़ रहा है

एजेंसी। कोलकाता

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने मंगलवार को कुछ राज्यों में वृद्धि संबंधी असमानताओं को रेखांकित किया और कहा कि औद्योगिक केंद्र के रूप में कोलकाता की दीर्घकालिक गिरावट और बुनियादी ढांचे के धीमे विकास के कारण पूर्वी भारत लगातार पिछड़ रहा है।

सान्याल ने कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि आर्थिक सुधारों का लाभ क्षेत्रों में असमान रहा है। चैंबर द्वारा जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया , ₹1991 के सुधारों के बाद दक्षिणी राज्यों ने गति पकड़ी और आज भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है, जबकि पूर्वी और उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों ने गति नहीं पकड़ी है। मजबूत शहरी इंजन की आवश्यकता पर बल देते हुए सान्याल ने बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई-पुणे गलियारे को सफल उदाहरण बताते हुए कहा कि क्षेत्रीय विकास बड़ी सुविधाओं वाले शहरों के निर्माण पर निर्भर करता है जो निवेश और उत्पादकता बढ़ा सकते हैं।

बयान के अनुसार, सान्याल ने वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट को विकासोन्मुख बताया और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ पूंजीगत व्यय आधारित रणनीति की वकालत की। उन्होंने बजट में राजकोषीय घाटा कम करने, बुनियादी ढांचे पर अधिक खर्च और संपत्ति मौद्रीकरण पर ध्यान देने का स्वागत किया जबकि नवाचार और जोखिम लेने को प्रोत्साहित करने वाले नीतिगत उपायों का भी समर्थन किया।

बादलों की आगोश में पहाड़ों की रानी शिमला

शिमला: पहाड़ों की रानी शिमला में मंगलवार को हुई बारिश के बाद पूरी घाटी कम ऊँचाई वाले बादलों की चादर से ढक गई। इस मनमोहक दृश्य ने शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दिए।

ड्राइवरों को सशक्त बनाने के लिए नीति में स्पष्टता जरूरी

नई दिल्ली। ड्राइवरों के स्वामित्व वाले और सब्सक्रिप्शन आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म भारत टैक्सी की शुरूआत भारत की बदलती गिग इकोनॉमी में एक अहम कदम है। यह प्लेटफॉर्म पारंपरिक एग्रीगेटर कंपनियों के मुकाबले कम कमीशन और सहकारी मॉडल पर काम करता है, जिसका मकसद ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों को उनकी कमाई और काम पर दोबारा नियंत्रण देना है।लेकिन जैसे-जैसे यह मॉडल आगे बढ़ रहा है, एक बुनियादी नीतिगत सवाल और गहरा होता जा रहा है। क्या भारत की टैक्स व्यवस्था ड्राइवरों को सशक्त बनाने वाले ऐसे नवाचारों का साथ देगी, या अनजाने में उन्हें नुकसान पहुंचाएगी?इस बहस के केंद्र में है सब्सक्रिप्शन या रंर (सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस) मॉडल पर चलने वाले राइड प्लेटफॉर्म्स पर प्रस्तावित 5 प्रतिशत जीएसटी। पारंपरिक प्लेटफॉर्म हर राइड पर कमीशन काटते हैं, जबकि रंर मॉडल अलग है। इसमें ड्राइवर एक तय सदस्यता शुल्क देकर तकनीक का इस्तेमाल करते हैं।

व्यापार समझौते से भारत की वृद्धि को मिलेगी गति: उद्योग जगत

एजेंसी। नईदिल्ली

भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों ने मंगलवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत की वृद्धि महत्वाकांक्षाओं को गति प्रदान देगा। उन्होंने साथ ही कहा कि इससे देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण एवं नवाचार केंद्र बनाने में मदद मिलेगी। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील मित्तल से लेकर आदित्य बिड़ला समूह के कुमार मंगलम बिड़ला और महिंद्रा समूह के अनीश शाह तक भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश परिदृश्य को बदलने की इसकी क्षमता को रेखांकित करते हुए इस ऐतिहासिक समझौते पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

दोनों देशों के बीच हुए इस व्यापार समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए महिंद्रा ग्रुप के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने इसे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि पथ पर होने के साथ, यह सौदा भारत की वृद्धि महत्वाकांक्षाओं को सार्थक गति प्रदान करता है।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए बहुप्रतीक्षित और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो निवेश और वृद्धि के लिए अपार अवसर खोलता है। मित्तल ने कहा, ३मुक्त व्यापार समझौतों की श्रृंखला यह प्रमाण है कि भारत वैश्विक ढांचों के केंद्र में अपनी भूमिका निभा रहा है, जिसका उद्देश्य मजबूत अंतरराष्ट्रीय व्यापार रूपरेखा तैयार करना है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि कम शुल्क

से इन दो महान देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी और निवेश तथा सहयोग के अतिरिक्त अवसर मिलेंगे। यह बताते हुए कि आदित्य बिड़ला ग्रुप अमेरिका में सबसे बड़ा भारतीय निवेशक है, उन्होंने कहा कि यह समझौता अधिक लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने, विनिर्माण के अवसरों को खोलने और अमेरिका तथा भारत में दीर्घकालिक आर्थिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में मदद करेगा। टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने भी कहा कि भारतीय सामानों पर अमेरिकी जवाबी शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत करना एक सकारात्मक कदम है, जो निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करता है और दीर्घकालिक द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में विश्वास पैदा करता है। उन्होंने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में, व्यापार में खुलापन भारतीय उद्योग को विस्तार करने, नवाचार करने और नौकरियां पैदा करने में मदद करेगा। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने 'एक्स' पोस्ट किया, इससे संभलकर आगे बढ़ने के लाभों का पता चलता है। जब शोर थम जाएगा, तो दो स्वाभाविक साझेदार साथ आएंगे। आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पहले यूरोपीय संघ के साथ 'मदर ऑफ ऑल डील्स' और अब अमेरिका के साथ 'फादर ऑफ ऑल डील्स' - प्रधानमंत्री मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि! धैर्य का फल मिलता है।स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ हालिया व्यापार समझौतों के बाद, यह समझौता वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और विश्वसनीयता को पुख्ता करता है।

हसरतें सीजन 3 का हंगामा ओटीटी पर आखिरी दो एपिसोड रिलीज

मुंबई। भारत के अग्रणी डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म हंगामा ओटीटी ने अपनी चर्चित एंथोलॉजी सीरीज 'हसरतें' के तीसरे सीजन के साथ दर्शकों के बीच एक बार फिर हलचल मचा दी है। पहले दो सीजन की अभूतपूर्व सफलता के बाद, नया सीजन महिलाओं की आंतरिक दुनिया, उनकी दबी हुई इच्छाओं और समाज के खिलाफ उनके शांत लेकिन प्रभावी विद्रोह को और भी गहराई से उजागर करता है। सामाजिक बंधनों और संघर्ष की परतें इस सीजन में ऐसी कहानियों को पिरोया गया है जो अक्सर बंद कमरों में अनकही रह जाती हैं। शो के छह दमदार एपिसोड्स के जरिए दमघोंटू शादियां, सख्त परंपराएं, राजनीतिक दांव-पेंच और भावनात्मक उपेक्षा का शिकार महिलाओं के जीवन की परतों को बेबाकी से खोला गया है। 'हसरतें' ने मनोरंजन की दुनिया में उन कहानियों के लिए एक खास जगह बनाई है, जो महिलाओं की पहचान और सामाजिक बंधनों के बीच होने वाले संघर्ष को ईमानदारी से दिखाती हैं।

जयशंकर अमेरिका के विदेश मंत्री से वाशिंगटन में करेंगे मुलाकात

एजेंसी। न्यूयॉर्क

विदेश मंत्री एस जयशंकर महत्वपूर्ण खनिजों पर पहली मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले वाशिंगटन में मंगलवार को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात करेंगे। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ एक व्यापार समझौते की घोषणा की है।

रुबियो और जयशंकर मंगलवार दोपहर को अमेरिकी विदेश मंत्रालय के कार्यालय में मुलाकात करेंगे। जयशंकर दो से चार फरवरी तक अमेरिका की यात्रा पर हैं और वह रुबियो द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय बैठक में बुधवार को हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि जयशंकर इस यात्रा के दौरान अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ सदस्यों के साथ भी बैठकें करेंगे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर सोमवार को घोषणा की थी कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं जिसके तहत अमेरिका भारत पर जवाबी शुल्क को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। इसके बाद मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था, यह खुशी की बात है कि अब मेड इन इंडिया उत्पादों पर शुल्क घटकर 18 फीसदी रह जाएगा। इस शानदार घोषणा के लिए भारत की 1.4 अरब जनता की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप को हार्दिक धन्यवाद।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।